वर्ष-08 |अंक-260| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

RNI-MPHIN/2018/75526

भोपाल, बुधवार

24 जून 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-10, विक्रम संवत् 2083

सिंगर अल्का याग्निक, ममूटी और विजय अमृतराज को पद्म भूषण

क्रिकेटर रोहित शर्मा को पद्मश्री; 65 हस्तियों को मिले पद्म अवॉर्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में दूसरे चरण के पद्म पुरस्कार दे रही हैं। इस समारोह में देश की 65 हस्तियां सम्मानित हो रही हैं। समारोह में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज केटी थॉमस को जनसेवा और मलयालम पत्रकार पी नारायणन को साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।इनके अलावा सिंगर अलका

याग्निक, एक्टर ममूटी, अमेरिका में कार्यरत प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी और भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी शामिल रहे। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 56 पद्म श्री अवॉर्ड दिए जाएंगे। इनमें से कुछ पुरस्कार संयुक्त रूप से भी दिए जा रहे हैं।

एक्टर आर माधवन को कला के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान

जाने-माने एक्टर, फ़िल्ममेकर और स्क्रीनराइटर माधवन रंगनाथन को भारतीय सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत को कला के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड उनके भाई अरविंद ने लिया। चार दशकों के करियर में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर सतीश शाह ने कई फिल्मों और यादगार टीवी शो में काम किया।

युवा आईएएस अधिकारियों से पीएम मोदी का संवाद, दिया गुरुमंत्र

फाइलों में अनगिनत नागरिकों की आकांक्षा-जिंदगियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के सेवा तीर्थ में 2024 बैच के 183 आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। ये सभी अधिकारी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में तैनात हैं। इस दौरान युवा अधिकारियों ने अपने फील्ड प्रशिक्षण और मंत्रालयों के कामकाज के अनुभव साझा किए। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दो साल के जमीनी अनुभव के बाद वे अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं.

फाइल के पीछे एक इंसान की उम्मीदें

प्रधानमंत्री ने युवा सिविल सेवकों से राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिक देवो भव का मंत्र देते हुए कहा कि हर प्रशासनिक फाइल के पीछे एक इंसान की उम्मीदें, चिंताएं और जीवन छिपा होता है। अधिकारियों को हर फैसला लेते समय नागरिकों को केंद्र में रखना चाहिए। उन्होंने शासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और समावेशी बनाने पर जोर दिया। विभागों के बीच बेहतर तालमेल ही सार्थक और स्थायी परिणाम ला सकता है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दशकों में हर नीति और प्रशासनिक फैसला देश के विकास में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने को आज की प्राथमिकता बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न

स्कूल अपग्रेड होंगे, किसानों को मिलेगा शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के लिए 5 हजार 960 करोड़ रूपये की योजनाओं सहित कई जनहितैषी कार्यों को मंजूरी दी गई। बैठक में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान को गति देते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को 1 अप्रैल 2026 से आगामी 5 वर्षों तक निरंतर संचालित रखने के लिए 1,740 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाते हुए राज्य में शासकीय माध्यमिक और हाई स्कूलों के उच्च स्तरीय उन्नयन की योजना को सैद्धांतिक सहमति दी गई, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक पहुँच बढ़ेगी और ड्रॉप आउट दर में कमी आएगी।

- राज्य के सर्वांगीण विकास, जनकल्याण और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने के लिए 5,960 करोड़ रूपये की योजनाओं सहित कई जनहितैषी कार्यों को मंजूरी
- मुख्यमंत्री कन्या विवाह और कल्याणी विवाह सहायता योजना की निरंतरता को मंजूरी, 1,740 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति
- 225 शासकीय माध्यमिक शालाओं का हाई स्कूल और 300 हाई स्कूल के हायर सेकेण्डरी में उन्नयन को सैद्धांतिक स्वीकृति
- शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना अंतर्गत किसानों के हित में शर्तों की स्वीकृति

मुख्यमंत्री कन्या विवाह और कल्याणी विवाह सहायता योजना के संचालन के लिए 1,740 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहायता योजना और कल्याणी विवाह सहायता योजना को 1 अप्रैल 2026 से 5 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 1,740 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह सहायता योजना प्रदेश में 1 अप्रैल 2006 से प्रभावशील है। योजना अंतर्गत गरीब जरूरतमंद, निराश्रित और निर्धन परिवारों की विवाह योग्य कन्या/विधवा/परित्यक्ता के सामूहिक विवाह में आर्थिक सहायता के रूप में राशि 55 हजार रूपये प्रति कन्या के मान से दी जाती है।

ड्राफ्ट 5 जुलाई तक तैयार किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट 5 जुलाई तक तैयार कर लिया जाएगा। इसके बाद आगामी मानसून सत्र में इसे विधानसभा में विधेयक के रूप में पेश किया जाएगा।

एलएनसीटी ग्रुप के ठिकानों पर ईडी की रेड

200 करोड़ की वित्तीय हेराफेरी सामने आने के बाद सर्चिंग

भोपाल। राजधानी के एलएनसीटी ग्रुप पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम छापेमारी कर रही है। ईडी द्वारा यह कार्यवाही इस ग्रुप में हुई 200 करोड़ रुपए की वित्तीय हेराफेरी के मामले में की जा रही है। यह जांच ग्रुप के भोपाल समेत अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर चल रही है। एलएनसीटी ग्रुप के प्रमोटर चौकसे परिवार पर मध्य प्रदेश की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 200 रू. करोड़ से अधिक के घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं का मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद ईडी ने इसे जांच के दायरे में लिया है और अब इस मामले में एनएनसीटी ग्रुप के शैक्षणिक संस्थानों और अन्य ठिकानों पर सर्चिंग की जा रही है।

स्कॉलरशिप गबन व छात्रों की फीस से जुड़ा है मामला

बताया जाता है कि ईओडब्ल्यू ने अपनी जांच में इस ग्रुप पर छात्रों की फीस, स्कॉलरशिप गबन और शैक्षणिक लोन के दुरुपयोग पर 200 करोड़ की गड़बड़ी पकड़ी थी। यह गड़बड़ भोपाल के अलावा ग्रुप के देश भर में मौजूद अन्य ठिकानों पर भी हुई है। इसलिए सूत्रों का कहना है कि यह कार्यवाही कई अन्य स्थानों पर भी चल रही है। इस ग्रुप के कर्ता धर्ता पर आरोप है कि छात्रों से वसूली गई बस, हॉस्टल फीस और स्कॉलरशिप की राशि, जिसे शैक्षणिक संस्था या छात्रों के खाते में जाना था.

रामगंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट एसआईटी ने सरकार को सौंपी

20 पेज की रिपोर्ट में एफआईआर और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए एसआईटी ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी में एफआईआर की मांग

श्रीराम सेना ने राम जन्मभूमि थाना पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए सेवादार अनिल मिश्रा समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और नारको टेस्ट कराए जाने की मांग की दिनेश सिंह ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई से ही करोड़ों राम भक्तों की आस्था मंदिर के प्रति बनी रह सकेगी।

सिंधी समाज ने पूछा -200 किलो चांदी की ईंटें कहां हैं?

विश्व सिंधी सेवा संगम संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजू मनवानी का दावा है कि 26 जनवरी 2021 को दुनियाभर के सिंधी समाज की ओर से करीब 1.5 करोड़ रुपए मूल्य की 200 किलो चांदी, 1-1 किलो की 200 ईंटों के रूप में अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को सौंपी गई थी। डॉ. मनवानी का आरोप है कि दान की गई चांदी की ईंटों की न तो कोई रसीद दी गई और न ही बाद में यह जानकारी दी गई कि उनका उपयोग कहां किया गया।

टीएमसी में दो फाड़!

अरूप रॉय को चुना अपना अध्यक्ष उपायुक्त और महासचिव भी बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस पर नियंत्रण की कोशिश में विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने सोमवार को विधायक अरूप रॉय को अध्यक्ष चुना। यह पार्टी संस्थापक ममता बनर्जी के प्राधिकार को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। इस कदम से संकेत मिलता है कि विधानसभा से शुरू हुई और बाद में संसद तक फैली बगावत अब पार्टी के संगठनात्मक गढ़ तक पहुंच गई है। यहां बागी विधायकों, पार्षदों और अन्य नेताओं की मौजूदगी में एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि रॉय को सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुना गया। पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास और विधायक फिरहाद हकीम, रथिन घोष और सबीना यास्मीन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि रीताब्रता बनर्जी, जावेद खान और संदीपन साहा को महासचिव बनाया गया।

हम ही हैं तृणमूल कांग्रेस

उन्होंने कहा, यह असली या नकली होने का सवाल नहीं है। हम ही तृणमूल कांग्रेस हैं और आज के विशेष सत्र की कार्यवाही की जानकारी निर्वाचन आयोग को देंगे। बनर्जी ने कहा, हमने पार्टी के नियमों के अनुसार काम किया है और यह विशेष सत्र आहूत किया है। क्या सही है और क्या गलत, इसका फैसला निर्वाचन आयोग करेगा।

पुणे में सोनम रघुवंशी जैसा केस

बिजनेसमैन की बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर मंगेतर को 400 फीट गहरी खाई में फेंका

पुणे। पुणे में इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड से मिलती-जुलती वारदात सामने आई है। यहां 26 साल के केतन विशाल अग्रवाल की उनकी मंगेतर सिया गोयल (20) और उसके बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22) ने मिलकर हत्या कर दी। पुलिस का आरोप है कि दोनों ने केतन को लोहागढ़ किले से करीब 400 फीट गहरी खाई में धक्का दिया और इसे हादसा बताने की कोशिश की। केतन 18 जून को अपने मंगेतर सिया के साथ पुणे के लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के लिए गए थे। बाद में उनका शव खाई से मिला। केतन पुणे जिले के गहुंजे के रहने वाले थे और परिवार के रियल एस्टेट कंपनी में डायरेक्टर थे। वहीं सिया पुणे के एक बड़े मसाला व्यापारी की बेटी है। इस साल नवंबर में राजस्थान के उदयपुर स्थित एक शाही पैलेस में दोनों की शादी होने वाली थी। यह शादी दोनों के परिवारों ने तय की थी। घर में तैयारियां भी शुरू थीं। मेहमानों के लिए दो चार्टर्ड प्लेन की व्यवस्था भी की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी पर परिवार करीब 17 करोड़ खर्च करने वाला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केतन और सिया शादी से पहले बाली घूमने जाने वाले थे। सारी बुकिंग भी हो गई थी लेकिन सिया ने पासपोर्ट खोने की बात कहकर ट्रिप कैंसिल करा दी।केतन ने सिया के बर्थडे के लिए महाबलेश्वर के एक लग्जरी रिसॉर्ट में 40 कमरे बुक कराए थे।जांच में सामने आया कि सिया और उसके बॉयफ्रेंड चेतन ने 14 जून को ही लोहागढ़ किले पर केतन को मारने की योजना बनाई थी।

आस्था | श्रीनगर के गांदरबल जिले के तुलमुल्ला गांव में बने मंदिर में स्थापित है माता खीर भवानी

खीर भवानी मेले में श्रद्धालुओं का लगा तांता

नई दिल्ली (एजेंसी)

कश्मीरी पंडितों ने जनीपुर इलाके के भवानी नगर में स्थित माता खीर भवानी मंदिर में सोमवार को खीर भवानी त्योहार पर वैदिक मंत्रों और घंटियों की गूंज के बीच पूजा-अर्चना की। समुदाय के सदस्यों ने मंदिर में इलाके में शांति के लिए प्रार्थना की और आशीर्वाद मांगा। भक्तों ने श्रीनगर के गांदरबल जिले के तुलमुल्ला गाँव में बने मंदिर में स्थापित माता खीर भवानी की मूर्तियों पर फूल चढ़ाए।

मंदिर के बाहर लंबी कतारें देखी गईं और युवा व बुजुर्ग समेत सभी भक्त पूजा-अर्चना करने और आशीर्वाद पाने के लिए अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे थे। एक कश्मीरी हिंदू श्रद्धालु ने कहा कि हम प्रार्थना करने के लिए गांदरबल स्थित खीर भवानी मंदिर जाना चाहते थे, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों से नहीं जा सके। इसलिए हम यहां आए हैं, क्योंकि इसकी प्रतिकृति का भी उतना ही महत्व है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर में शांति के लिए प्रार्थना की है और आशा व्यक्त किया कि विस्थापित कश्मीरी हिंदू जल्द ही अपनी मातृभूमि लौट सकेंगे। समारोह को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

तीर्थयात्रियों के रजिस्ट्रेशन में 2026 में काफी बढ़ोतरी

20 जून को नगरोटा इलाके से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, धार्मिक उत्साह और धार्मिक भजनों व नारों के बीच 214 बसों के काफिले में लगभग 8500 तीर्थयात्री गांदरबल में माता खीर भवानी यात्रा के लिए रवाना हुए। इस साल की यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के रजिस्ट्रेशन में काफी बढ़ोतरी हुई है। प्रशासन इस बढ़ोतरी का श्रेय शांतिपूर्ण माहौल, बेहतर सुरक्षा और व्यापक इंतज़ामों को देता है, जिससे 2026 की यात्रा हाल के वर्षों की सबसे बड़ी यात्राओं में से एक बन गई है। माता खीर भवानी का सालाना मेला तुलमुल्ला (गांदरबल), टिक्कर (कुपवाड़ा), देवसर-मंजगाम (कुलगाम) और लोगरीपोरा (अनंतनाग) जैसे पारंपरिक तीर्थ स्थलों पर मनाया जा रहा है जिसमें मुख्य आयोजन तुलमुल्ला में माता रागन्या देवी के मंदिर में हो रहा है।

[प्रयोग] रसायन विज्ञान के तत्वों पर डॉ. रामानुज पाठक ने तैयार की काव्य रचना

विज्ञान की आवर्त सारणी को दिया साहित्यिक स्वरुप

नगर संवाददाता, सतना।

विज्ञान और साहित्य के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक एक के रसायन विज्ञान शिक्षक एवं विज्ञान लेखक डॉ. रामानुज पाठक ने रसायन विज्ञान के 30 महत्वपूर्ण तत्वों की उपयोगिता पर आधारित एक कविता की रचना की है। यह कविता केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि विज्ञान शिक्षण को सरल, रोचक और स्मरणीय बनाने का एक अभिनव प्रयास भी है।

रसायन विज्ञान के तत्व मानव सभ्यता के विकास के आधार स्तंभ रहे हैं। हाइड्रोजन से लेकर स्वर्ण, लौह, तांबा, कैल्शियम, ऑक्सीजन और सिलिकॉन जैसे तत्व हमारे दैनिक जीवन, उद्योग, चिकित्सा, कृषि, ऊर्जा, संचार तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी में महत्वपूणज़ भूमिका निभाते हैं। इन तत्वों के गुणों और उपयोगों को सामान्यतः वैज्ञानिक तथ्यों और सूत्रों के माध्यम से पढ़ाया जाता है, किंतु डॉ. पाठक ने इन्हें काव्य के माध्यम से प्रस्तुत कर विज्ञान को जनसामान्य के लिए अधिक सहज बनाने का प्रयास किया है।

सभी तत्वों की विशेष उपयोगिता- कविता में प्रत्येक तत्व की विशिष्ट उपयोगिता का उल्लेख करते हुए यह बताया गया है कि प्रकृति और मानव जीवन में उनका योगदान कितना व्यापक है। कहीं ऑक्सीजन जीवनदायिनी शक्ति के रूप में उभरती है तो कहीं

लौह विकास और निर्माण का प्रतीक बनता है। सिलिकॉन आधुनिक डिजिटल युग की नींव के रूप में चित्रित होता है, वहीं कैल्शियम स्वास्थ्य और सुदृढ़ता का संदेश देता है। इस प्रकार कविता विज्ञान को केवल तथ्यों के संग्रह के रूप में नहीं, बल्कि जीवन से जुड़े एक जीवंत ज्ञान के रूप में प्रस्तुत करती है।

जटिल विषय गीत में समाहित- शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि कविता, गीत और कहानियों के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को प्रस्तुत करने से विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि बढ़ती है तथा जटिल जानकारियां लंबे समय तक स्मरण रहती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी कला और विज्ञान के एकीकृत शिक्षण पर बल देती है। इस दृष्टि से डॉ. पाठक की यह रचना बहुविषयी शिक्षा की भावना को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करती है। विज्ञान संप्रेषण के क्षेत्र में ऐसी रचनाएं विशेष महत्व रखती हैं, क्योंकि वे वैज्ञानिक ज्ञान को प्रयोगशालाओं और पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से निकालकर समाज तक पहुंचाती हैं। कविता के माध्यम से तत्वों की उपयोगिता को समझना विद्यार्थियों, शिक्षकों और विज्ञान प्रेमियों के लिए एक नया अनुभव प्रदान करता है। यह प्रयास विज्ञान को बोझिल विषय मानने की धारणा को भी चुनौती देता है।

क्या है रचना का उद्देश्य

डॉ. रामानुज पाठक ने बताया कि इस काव्य रचना का उद्देश्य विद्यार्थियों में रसायन विज्ञान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना तथा यह संदेश देना है कि आवर्त सारणी के तत्व केवल पुस्तकों के अध्याय नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय रूप से उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान और साहित्य दोनों का लक्ष्य ज्ञान का प्रसार है, इसलिए दोनों के समन्वय से शिक्षा अधिक प्रभावी बन सकती है। विज्ञान और कविता के इस अभिनव संगम को शिक्षा जगत में एक प्रेरणादायक पहल माना जा रहा है। यह रचना न केवल रसायन विज्ञान के तत्वों की उपयोगिता को रेखांकित करती है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि वैज्ञानिक तथ्यों को सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से अधिक व्यापक और प्रभावशाली ढंग से समाज तक पहुंचाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री ने सुनी समस्यायें

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुई। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

डॉ. श्रद्धा सिंह को मिली पीएचडी की उपाधि

सतना। जिले के प्रतिष्ठित खनन व्यवसाय से जुड़े परिवार की बहू डॉ. श्रद्धा सिंह को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा द्वारा अर्थशास्त्र

विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। डॉ. श्रद्धा सिंह ने 'सतना जिले की आय एवं रोजगार सृजन में खनन उद्योग की भूमिका' विषय पर शोध कार्य किया। यह शोध उन्होंने शहीद केदारनाथ पीजी कॉलेज, मऊगंज के प्राचार्य डॉ. सोमदत्त पांडेय के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक पूरा किया। उनके शोध में सतना जिले के आर्थिक विकास, रोजगार के अवसरों तथा खनन उद्योग के योगदान का विस्तृत अध्ययन किया गया है। डॉ. श्रद्धा सिंह स्वर्गीय राजेश प्रताप सिंह की बहू हैं। उनके पति अनी सिंह सगमनिया खनिज व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, जबकि उनके पिता एस.एन. सिंह कृषक हैं। इस अवसर पर उनकी सास एवं पूर्व जनपद सदस्य माया सिंह, देवर अभिषेक सिंह सहित बैश परिवार और सोमवंशी परिवार के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

संगीता द्विवेदी का दुखद निधन

सतना। जिले के मझगवां चौराहा निवासी मुकेश कुमार द्विवेदी की पत्नी संगीता द्विवेदी का गुरुवार-शुक्रवार

की दरमियानी रात निधन हो गया। संगीता अपने पीछे पुत्र-पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में ससुर कमला प्रसाद द्विवेदी, विशंभर प्रसाद, अवधेश प्रसाद, शिवकुमार, राम शिरोमणि, सुरेंद्र द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, जगन्नाथ, सुरेंद्र, संदीप, विष्णु, कृष्णअवतार, अमित, बृजेश, पिता देवानंद कंचनी, जागेश्वर प्रसाद, बालेश्वर प्रसाद, राजेंद्र कुमार, भाई मनोज कंचनी, विनय, विनीत, मनीष, सहित अन्य सदस्यों ने दुख जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

[बैठक] फार्मर रजिस्ट्री के कार्य पर फोकस करें: कलेक्टर

आरटीओ, डीईओ व डीएसपी ट्रैफिक संयुक्त रूप से स्कूल बसों की चेकिंग करें

■ **समय-सीमा प्रकरणों की बैठक आयोजित**

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में फार्मर रजिस्ट्री कार्य की न्यून प्रगति को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा है कि राजस्व अधिकारी ई फार्मर रजिस्ट्री के कार्य पर फोकस करें और प्रतिदिन हजार-डेढ हजार फार्मर रजिस्ट्री कराये। एसडीएम और तहसीलदार प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करें। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में कलेक्टर ने मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक के एजेण्डा बिन्दु, पूर्व बैठक का पालन प्रतिवेदन, स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य अतिथि का वाचन और जिला विकास पुस्तिका, रेल्वे, राष्ट्रीय राजमार्ग, एनवीडीए सहित विभिन्न विभागों के समन्वय के बिन्दुओं पर चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि आरटीओ, जिला शिक्षा अधिकारी और डीएसपी ट्रैफिक संयुक्त रूप से स्कूल बसों की चेकिंग का कार्य इस सप्ताह आवश्यक रूप से पूर्ण कर ले। इसके साथ ही प्राइवेट स्कूलों में पाठ्यपुस्तकें, स्लैबस, ड्रेस एवं टयुशन फीस के संबंध में जारी शासन के दिशा-निर्देशों के पालन के लिए सिटी एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करें। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, सुमेश द्विवेदी, जनपद के सीईओ, नगर परिषदों के सीएमओ तथा विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

बिटुमिन की समस्या खत्म, कार्य में लाएं तेजी

सतना-चित्रकूट सड़क के रिपेयर वर्क की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि बिटुमिन की समस्या खत्म हो गई है तो कार्य में तेजी लाये। उन्होंने रिपेयर वर्क में गुणवत्ता और धीमी प्रगति पर कहा कि चित्रकूट के अगले सप्ताह के भ्रमण पर एनएचआई के अधिकारी और ठेकेदार मौके पर कार्य का निरीक्षण करने जायेंगे। रोड सेफ्टी की बैठक में निर्णय अनुसार साइनेज शीघ्र लगवाये अन्यथा की स्थिति में वरिष्ठ अधिकारियों को लेख किया जायेगा। नगर परिषद के सीएमओ ने बताया कि कोठी, नागौद, उचेहरा, बिरसिंहपुर में फिश पार्लर का काम पूरा कर लिया है। इसके लिए हिताग्राहियों से प्रस्ताव मंगाये जा रहे हैं।

मानसून की तैयारी कर लें

कलेक्टर ने कहा कि इस सप्ताह गुरूवार को सायं 4 बजे से शिक्षा विभाग की बैठक में हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी के परीक्षा परिणाम और उसमें सुधार लाने के प्रयासों एवं कार्ययोजना पर भी चर्चा की जायेगी। इस बैठक में प्रत्येक विकासखण्ड से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूलों के 2 प्राचार्य और निम्न प्रदर्शन वाले स्कूलों के 2 प्राचार्यो को भी उपस्थित कराये। कलेक्टर ने कहा कि मानसून के पूर्व की जाने वाली आवश्यक तैयारियां एक सप्ताह में पूर्ण कर ले। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के जल जमाव वाले नाले, नालियों की सफाई करवाये। इसके अलावा आकस्मिकता की स्थिति के लिए सभी एसडीएम, तहसीलदार और जनपद के सीईओ वर्षाकाल के दौरान टार्च, रस्सी, टयूब या लाइफ जैकेट अपने-अपने वाहनों में साथ रखेंगे।

डाइट में प्रभार का प्रपंच

वरिष्ठता को दरकिनार कर जूनियर को प्रभार की तैयारी

■ **स्थानांतरण के बाद भी कार्यमुक्त नहीं हुए डॉ. सच्चिदानंद पाण्डेय**

नगर संवाददाता, सतना।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सतना में प्राचार्य पद को लेकर चर्चाएं तेज हैं। संस्थान के प्राचार्य डॉ. सच्चिदानंद पाण्डेय का स्थानांतरण हो चुका है, लेकिन वे अभी कार्यमुक्त नहीं हुए हैं। इसी बीच प्राचार्य पद का प्रभार वरिष्ठता सूची में सातवें क्रम के वर्ग एक शिक्षक को दिए जाने की तैयारी है। मामले को लेकर इसलिए सवाल उठ रहे हैं क्योंकि संस्थान में कई वरिष्ठ अधिकारी पहले से पदस्थ हैं। इनमें राजपत्रित अधिकारी राजेंद्र पाण्डेय, विपिन त्रिपाठी, ममता चौरसिया और नीलम मिश्रा शामिल हैं। वहीं वर्ग-एक शिक्षक के रूप में लोकेन्द्र सिंह, अतुल गर्ग और सुनील मिश्रा भी कार्यरत हैं। कर्मचारियों का कहना है कि जब संस्थान में वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं तो जूनियर अधिकारी को प्रभार देने की चर्चा समझ से परे है। उनका मानना है कि प्रभार देने में वरिष्ठता और पात्रता का ध्यान रखा जाना चाहिए।

रिलीविंग से पहले चर्चा क्यों?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब वर्तमान प्राचार्य अभी कार्यमुक्त ही नहीं हुए हैं, तब नए प्रभार को लेकर इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है। इसको लेकर संस्थान और शिक्षा विभाग में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। संस्थान के कर्मचारियों का कहना है कि यदि वरिष्ठ अधिकारियों को नजरअंदाज कर जूनियर को जिम्मेदारी दी जाती है तो इससे गलत संदेश जाएगा। इससे वरिष्ठता व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होंगे।

कॉम्बिंग गश्त: 302 वारंट व 393 गुंडों की जांच

■ **रीवा जोन के छह जिलों में चला विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान**

नगर संवाददाता, सतना।

रीवा जोन में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने एक दिवसीय विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान फरार आरोपियों, निगरानी बदमाशों और गुंडा तत्वों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मैहर और मऊगंज जिलों में एक साथ चलाए गए इस अभियान में कुल 302 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए, जबकि 393 गुंडा बदमाशों की चेकिंग की गई। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देश में रविवार को यह अभियान चलाया गया। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों की निगरानी में थानों की टीमों ने अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष गश्त की।

पूरे जोन में यह रही कार्रवाई

स्थायी वारंट तामील
163

गिरफ्तारी वारंट तामील
302

निगरानी बदमाशों की चेकिंग
290

गुंडा बदमाशों की चेकिंग
393

जिले में सबसे ज्यादा गुंडों की जांच

अभियान के दौरान सतना जिले में 25 स्थायी वारंट और 48 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। इसके अलावा 76 निगरानी बदमाशों और 157 गुंडा बदमाशों की चेकिंग की गई, जो रीवा जोन के जिलों में सबसे अधिक रही। पुलिस मुख्यालय ने सभी थानों को अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर लगातार नजर रखने के लिए नियमित गश्त और वाहन चेकिंग अभियान जारी रखने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत बनी रहे और अपराधियों में पुलिस का भय कायम रहे।

फर्जी निकला शिकायत में उपयोग किया गया लेटरहेड

■ **प्राचार्य के पास पहुंचे बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष ने रखी फर्जी शिकायत के जांच की मांग**

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के कन्या पीजी कॉलेज में वाणिज्य संकाय की अतिथि विद्वान डॉ शिवा सिंह पर लगे आरोपों के संबंध में विभागीय प्रक्रिया चल रही है इस बीच कॉलेज पहुंचे बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन सिंह ने लेटरहेड को फर्जी करार देते हुए कॉलेज प्रशासन से जांच कराए जाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा किसी भी प्राध्यापक की कोई शिकायत नहीं की गई। सचिन प्रताप सिंह ने बताया कि नाम का दुरुपयोग कर उच्च शिक्षा विभाग भोपाल और अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा को शिकायत भेजी गई। उन्होंने आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि 25 अगस्त 2025 को उनके नाम से भेजी गई शिकायत पूरी तरह फर्जी, कूटरचित और बेबुनियाद है।

सचिन प्रताप सिंह ने कहा कि शिकायत उनके नाम के फर्जी लेटरहेड तैयार कर जाली हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उक्त शिकायत उनके द्वारा नहीं की गई है। पत्र में उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि वर्ष 2017-18 में वे सोहावल मंडल के अध्यक्ष रहे थे, लेकिन शिकायत में उन्हें मंडल अध्यक्ष, रैगांव दर्शाया गया है, जबकि वर्ष 2025 में वे इस पद पर नहीं थे। उस समय रैगांव, कोठी और भरजुना क्षेत्रों में अलग-अलग मंडल अध्यक्ष कार्यरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उनके नाम का उपयोग कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए हैं। उनके अनुसार शिकायत में एक महिला के खिलाफ बिना तथ्यों के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जो न केवल निंदनीय बल्कि कानूनी रूप से आपत्तिजनक भी हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यह कृत्य किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने तथा सामाजिक और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की मंशा से किया गया हो सकता है।

आज से तीन दिन सतना प्रवास में रहेंगे अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव 23 से 25 जून तक सतना जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव 23 जून को रीवा से प्रस्थान कर सायं 4 बजे सतना पहुंचेंगे और सायं 5 बजे से 7 बजे सर्किट हाउस सतना में सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद, जिला पंचायत एवं जनपद प्रतिनिधियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रवास के दूसरे दिन अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. जाटव द्वारा 24 जून को प्रातः 10.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में जिले के सभी विभागों एवं बैंकों की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा होगी। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के विरुद्ध अपराधों की स्थिति पर चर्चा की जाएगी।

सावधान! जले हुए काले गाढ़े तेल में तले जा रहे समोसे, आलू बंडे, मंगौड़ा, भजिया

■ **नसों में ब्लॉकेज व पेट संबंधी बीमारियां का बढ़ रहा खतरा, जांच रिपोर्ट में हो रहे खुलासे**

नगर संवाददाता, सतना।

रेस्टोरेंट या ठेले पर बने समोसे, आलू बंडे, मंगौड़ा, भजिया या कचौरी अगर आप ज्यादा खा रहे हैं तो सावधान हो जाइए। दुकानदार जले हुए काले गाढ़े तेल में आपको ये बार-बार तलकर बीमारियां परोस रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस काले तेल से बनी चीजों से हार्ट अटैक, नसों में ब्लॉकेज, लकवा, कैसर व पेट संबंधी बीमारियां का खतरा बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कराई जा रही जांच में कोलेस्ट्रॉल, बीपी, हार्ट की बीमारी से पीड़ित मरीज बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। मेडिसिन व हृदय रोग विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे बड़े कारणों में तली-भुनी चीजों के ज्यादा सेवन के साथ ही होटल, रेस्टोरेंट व ठेलों पर बिकने वाले समोसे, आलू बंडे, मंगौड़े हैं जिन्हें तलने के लिए बार-बार तले तेल का उपयोग किया जा रहा है।

सेहत से हो रहा खिलवाड़

चिकित्सकों के अनुसार बार-बार एक ही तेल के उपयोग से उसमें फ्री रेडिकल्स बनने लगते हैं, जो आगे चलकर कैंसर, स्ट्रॉक और अल्जाइमर जैसी घातक बीमारियों का कारण बनते हैं। तेल को बार-बार गर्म करने से उसकी खुशबू के साथ-साथ उसका प्रभाव भी खत्म हो जाता है। इसके कारण तेल में फैट जमने लगता है। इस जले तेल का रंग काला पड़ जाता है। इसी जले हुए तेल में तले हुए समोसे, आलूबंडे खाने पर यह शरीर में बेड कोलेस्ट्रॉल, ट्राई ग्लिसराइड की मात्रा को बढ़ा देता है, जो नसों और हार्ट में ब्लॉकेज का कारण बनते हैं।

गुमटी, ठेले और रेस्टोरेंट में एक जैसे हालात

जलपान की दुकान, होटल, ठेलों, रेस्टोरेंट में सभी जगह एक जैसा नजारा है। कई प्रतिष्ठानों में कड़ाही जले, काले तेल से भरी देखी जा सकती है। जिसमें समोसे, आलूबंडे, भजिया, मंगौड़ा या कचौरी तली जा रही है। कई रेस्टोरेंट में तो कढ़ाई में पुराने रखे तेल से शुरुआत कर उसे डिब्बे में भी भरा और काला तेल डालकर कचौरियां तली जाती है।

[मनमानी] ईई के निर्देश का भी असर नहीं

प्राचीन पानीदार कुएं का अस्तित्व मिटाने में जुटा ठेकेदार

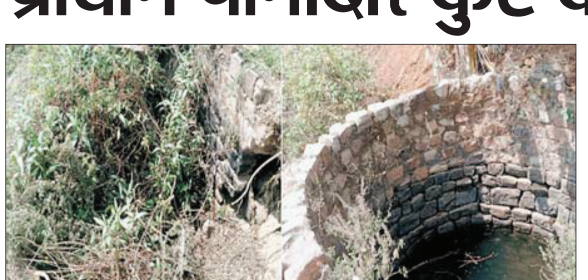

नगर संवाददाता, सतना।

भगवान श्रीराम की तपोस्थली चित्रकूट से जुड़े नयागांव स्थित फलाहारी आश्रम का ऐतिहासिक कुआं और प्राचीन जलस्रोत एक बार फिर संकट में हैं। कुछ माह पूर्व मामला उजागर होने के बाद अधिकारियों ने जिस कुएं को संरक्षित रखने के निर्देश दिए थे, अब उसी कुएं को पुनः पाटने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि संविदाकार ने प्रशासनिक निर्देशों को दरकिनार कर फिर से मशीनों के माध्यम से कुएं को मिटाने का प्रयास शुरू कर दिया है।

फलाहारी आश्रम वह स्थान माना जाता है जहां वनवास काल में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने फलाहार किया था। मान्यता है कि यहां प्यास लगने पर लक्ष्मण ने बाण चलाकर जलधारा प्रकट की थी। इसी कारण यहां स्थित कुंड और कुआं वर्षों से लोगों की आस्था तथा जीवन का आधार रहे हैं। कुछ समय पहले तालाब विस्तारीकरण के दौरान प्राचीन कुंड और कुएं को क्षति पहुंचाने का मामला सामने आया था। ग्रामीणों के विरोध के बाद कार्य रोक दिया गया था। इसके बाद आरईएस विभाग के कार्यपालन यंत्री लांजरुष केरकेट्टा ने मौके का निरीक्षण कर कुएं को सुरक्षित रखने और उसे संरक्षित करने के निर्देश दिए थे। अधिकारियों के निर्देश मिलने के बाद कुछ समय तक संविदाकार शांत रहा, लेकिन अब दोबारा कुएं को पाटने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गांव के कुछ लोगों ने मौके पर पहुंचकर विरोध भी किया, लेकिन काम रुकवाने में सफलता नहीं मिल सकी।

भीषण गर्मी में पानी का सहारा है कुआं

ग्रामीणों का कहना है कि यह सिर्फ एक कुआं नहीं, बल्कि गांव की जीवनरेखा है। भीषण गर्मी के दिनों में जब आसपास के कुएं, हैंडपंप और बोरवेल सूख जाते थे, तब यही कुआं लोगों और पशुओं की प्यास बुझाता था। वर्षों से यहां का जल औषधीय गुणों वाला माना जाता रहा है और दूर-दराज से लोग पानी लेने पहुंचते रहे हैं।

संविदाकार ने भाट दी मिट्टी, विरोध के बाद रुका

बीते दिनों संविदाकार द्वारा इस कुएं को पूरी तरह से समाप्त करने का प्रयास करते हुए जेसीबी मशीन के जरिए इसमें मिटटी डलवाने का काम शुरु कर दिया था लेकिन स्थानीय ग्रामीणों के पहुंच जाने व उनका विरोध करने पर संविदाकार वहां से चला गया और कुएं को जस का तस हालात में छोड़कर चला गया। अब मिटटी डालने से पानी भी मटमैला सा हो गया है। आज हालात यह हैं कि जिस कुएं का पानी कभी भरी गर्मी में दूर-दूर तक लोगों की प्यास बुझाता था, उसी कुएं के अस्तित्व को मिटाने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मछली मारने पर 15 अगस्त तक रहेगा प्रतिबंध

रीवा। वर्षाकाल का आरंभ मछलियों का प्रजनन काल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए जिले के सभी जलाशयों में 16 जून से 15 अगस्त तक मछली मारने पर प्रतिबंध के आदेश दिए गए हैं। इस अवधि में मछली का शिकार, विनिमय तथा परिवहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। आदेश मध्यप्रदेश नवीन मत्स्योद्योग नियम 1972 के तहत जारी किया गया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर एक वर्ष के कारावास अथवा पांच हजार रुपए के जुर्माने या दोनों से दण्डित किया जाएगा। प्रतिबंध की अवधि में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट न करें। यह प्रतिबंध छोटे तालाब अथवा अन्य ऐसे जल स्त्रोत पर लागू नहीं होगा जिसका संबंध किसी नदी या नाले से नहीं है।

प्रवेश उत्सव में बच्चों का किया गया आत्मीय स्वागत

रीवा। विंध्य विहार कॉलोनी स्थित लिटिल बैम्बिनोज स्कूल रीवा में शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ अवसर पर प्रवेश उत्सव का आयोजन बड़े ही उत्साह, उल्लास एवं रचनात्मक गतिविधियों के साथ किया गया। विद्यालय परिसर को आकर्षक सजावट स्वागत संदेशों एवं शैक्षणिक प्रदर्शनों से सुसज्जित किया गया था। विद्यालय पहुंचने पर नन्हे-मुन्ने बच्चों का शिक्षकों द्वारा तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें गीत-संगीत, खेल, चित्रकला, कहानी वाचन तथा समूह गतिविधियां प्रमुख रहीं।

मछलीपालन केज स्थापना के लिए आवेदन 30 जून तक

रीवा। मछलीपालन विभाग द्वारा मछलीपालक किसानों को आधुनिकतम तकनीक से मछलीपालन के लिए सहयोग दिया जा रहा है। बड़े जलाशयों में केज एक्वाकल्चर की स्थापना के लिए 30 जून तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में उप संचालक मछलीपालन डॉ. अंजना सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 के अनुसार विभागीय जलाशयों तथा पंचायतराज संस्थाओं के अधीन जलाशयों में आधुनिक तकनीक से मछलीपालन किया जाएगा। इसके लिए युवा उद्यमियों तथा मछली पालकों को केज एक्वाकल्चर, एक्वाकोनिक्स, इंटिग्रेटेड फिश फार्मिंग तथा ईको टूरिज्म यूनिट के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। इसमें बैकवर्ड तथा फार्मर लिंकेज का भी लाभ दिया जाएगा। केजकल्चर की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदक जिले के सहायक संचालक मछलीपालन कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

अधिकारी रीवा को अपना मानकर उसके विकास में योगदान दें: कमिश्नर

रीवा। संभाग के नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने पद्भार ग्रहण करने के बाद संभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कमिश्नर श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी पदीय दायित्व का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करें। शासकीय कार्य में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर अवगत कराएं। विभागीय कार्यों के लिए शत.प्रतिशत उपलब्धि का लक्ष्य तय करें। सभी अधिकारी रीवा को अपना मानकर उसके विकास में योगदान दें। तय समय सीमा में निर्माण कार्यों का पूरा होना और विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति भी संभागए प्रदेश और देश के विकास में योगदान है। आमजनता की कठिनाईयों को दूर करने के लिए तत्परता से कार्यवाही करें। उत्तरदायित्वों के निर्वहन में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि 25 जून को मुख्य सचिव द्वारा निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में वीडियो कांफ्रेंसिंग से समीक्षा की जाएगी। बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं से जुड़ी जानकारी प्रस्तुत करें। स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार, शिशु मृत्यु दर तथा मातृ मृत्यु दर में नियंत्रण एवं बच्चों का पोषण स्तर बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वय से प्रयास करे। सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर अनिवार्य रूप से पंजीयन तथा नियमित जाँच सुनिश्चित करें। संयुक्त संचालक कृषि किसानों की मांग के अनुसार खाद और बीज की आपूर्ति कराएं। किसी भी जिले में खाद की कमी न रहे। संयुक्त संचालक पेंशन सभी लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण कराएं। सेवानिवृत्त के दिन ही शासकीय सेवक पीपीओ जारी हो सकेए ऐसी व्यवस्था करें। संयुक्त संचालक पशुपालन कामधेनु योजना, क्षीरधारा योजना तथा पशुओं के टीकाकरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी पशुओं को समय पर टीके लगवाएं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। समूह नलजल योजनाओं का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराकर हर घर में नल से पानी की आपूर्ति कराएं। निर्माण कार्यों तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी राष्ट्रीय क्षति है। संयुक्त संचालक शिक्षा स्कूलों और छात्रावासों की व्यवस्थाओं में सुधार कराएं। कक्षा आठवीं के बाद के सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन प्रार्थना के बाद कॅरियर मार्गदर्शन दें। इससे विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति बढ़ेगी तथा शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। सिंचाई परियोजनाओं तथा अन्य निर्माण कार्यों मो भू अर्जन की जानकारी दें। बैठक में कमिश्नर ने ऊर्जा विभाग में फीडर सेपरेशनए आरडीएसएस योजना के क्रियान्वयन तथा मछलीपालन विभाग में केजकल्चर के माध्यम से मछलीपालन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने जल गंगा संवर्धन अभियान, संबल योजना में मजदूरों के पंजीयन तथा सड़कों के सुधार के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में समय संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार तथा अन्य संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नवागत कमिश्नर श्री सिंह ने किया पद्भार ग्रहण

रीवा। नवागत कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने आज कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर पद्भार ग्रहण किया। श्री सिंह इसके पूर्व नगरीय प्रशासन में पदस्थ थे। कमिश्नर श्री सिंह 2010 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। श्री सिंह ने छिंदवाड़ा, छतरपुर तथा नर्मदापुरम जिलों में कलेक्टर सहित विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है। पद्भार ग्रहण करने के बाद कमिश्नर श्री सिंह ने कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने कहा कि कार्यालय को साफसुथरा और व्यवस्थित रखें। पुराने रिकार्ड अभिलेखागार में संधारित कराएं। नस्तियों को व्यवस्थित रखें। आमजनता से प्राप्त आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करें। कमिश्नर ने निरीक्षण के अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रत्येक 15 दिवस में समीक्षा की जाएगी। सभी राजस्व अधिकारी लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। निरीक्षण के समय संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार तथा अन्य अधिकारी उनके साथ रहे।

[समीक्षा] अनुसूचित जाति के कल्याण के कार्यों पर विशेष ध्यान दें

अनुसूचित जाति छात्रावासों में व्यवस्थाएं बेहतर करें: जातव

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त कैलाश जाटव ने अनुसूचित जाति के कल्याण के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में अध्यक्ष श्री जाटव ने कहा कि शासन की विकास योजनाओं का पूरा लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को दें। इनके कल्याण के लिए लागू की गई योजना तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। अनुसूचित जाति छात्रावास की सभी सीटों में अनुसूचित जाति विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें। जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी नोडल अधिकारियों के माध्यम से छात्रावासों का हर माह निरीक्षण कराएं। निरीक्षण में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल दूर करने का प्रयास करें। छात्रावास में विद्यार्थियों को रहने, भोजन, साफ सफाई, प्रकाश और पठन.पाठन की अच्छी सुविधा मिलना आवश्यक है। अनुसूचित जाति आयोग संवैधानिक और वैधानिक निकाय है। प्रत्येक अधिकारी को आयोग द्वारा वांछित जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य है। आयोग को सिविल न्यायालय तथा योजनाओं की समीक्षा करने की शक्तियाँ प्राप्त हैं।

बैठक में अध्यक्ष श्री जाटव ने कहा कि स्कूल और कालेज में प्रवेश लेने के बाद अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र तत्काल भरवाएं। कोई भी विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। छात्रावासों में उपयोग के लिए खरीदी गई सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निरूशुल्क कोचिंग की व्यवस्था कराकर प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर दें। अग्रणी बैंक प्रबंधक विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में बैंकों को भेजे जा रहे प्रकरणों का समय पर निराकरण कराएं। अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को सहानुभूतिपूर्वक ऋण और अनुदान का वितरण कराएं। स्वरोजगार के प्रकरण उचित कारण होने पर ही निरस्त करें। जिला संयोजक अनुसूचित जाति बहुल बस्तियों का सर्वेक्षण कराएं। इनमें जहाँ आवश्यक हो वहाँ पेयजल तथा सड़क की व्यवस्था करें। इसके लिए जिला खनिज मद तथा अन्य मदों का उपयोग करें।

बैठक में विभागीय अधिकारियों ने अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि अनुसूचित जाति के हितग्राहियों को निः शुल्क खाद्यान्न हर माह दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को छात्रवृत्तिए छात्रावास में रहने की सुविधा, निःशुल्क पुस्तकें, मध्यान्ह भोजन तथा गणवेश दिए जा रहे हैं।

बैठक में अध्यक्ष श्री जाटव ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र के आवेदनों का तय समय सीमा में निराकरण कराएं। बैठक में जिला संयोजक जनजातीय कार्य केके पाण्डेय ने अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए लागू योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण विकास तथा नगरीय निकाय के कार्यों की समीक्षा की

मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव ने ग्रामीण विकास विभाग तथा नगर निगम रीवा निकाय अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के हितों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओंए सुविधाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किए जाने की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। समीक्षा के दौरान उन्होंने हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों की जानकारी ली तथा पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा करते हुए कर्मचारियों की भागीदारी एवं समान कार्य के लिए समान वेतन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग सहित अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं को लाभान्वित करने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को समाज के लोगों को योजना के प्रति जागरूक एवं प्रेरित कर अधिकाधिक हितग्राहियों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

खोदी गई सड़कों का रेस्टोरेंट और नाली निर्माण के लिए महापौर ने ननि कमिश्नर को लिखा पत्र

गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना किसी देयक का भुगतान न किया जाए

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर के विभिन्न वार्डों में कोढ़ में खाज की तरह समस्या बनी सीवर लाइन और जल प्रदाय व्यवस्था के मसले पर पक्ष और विपक्ष के 20 से ज्यादा पार्षद महापौर एवं अध्यक्ष से नाराज होकर उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं, उसी मुद्दे पर अब महापौर ने फोकस डाला है। उन्होंने आयुक्त नगर पालिक निगम रीवा को वर्षाकाल के दृष्टिगत सीवर लाइन एवं जलप्रदाय पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़कों का रेस्टोरेशन, निर्माण कार्यो की गुणवत्ता जांच एवं नालियों का निर्माण कार्य तत्काल पूर्ण कराए जाने के संबंध में पत्र लिखा है। महापौर ने लेख किया है कि उनके संज्ञान में आया है कि रेस्टोरेशन के पश्चात् सड़कें अपनी मूल स्थिति में नहीं रहतीं तथा कुछ समय बाद धंसने लगती हैं जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अधिकारी गण द्वारा यह तर्क देना कि वर्तमान में केवल चलने योग्य मरम्मत की गई है, यह कथन स्वीकार्य नहीं होगा लिहाजा किसी बड़ी दुर्घटना की प्रतीक्षा किए बिना ठेकेदार से अनुबंधानुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराया जाए।

एसओआर से 40 प्रतिशत कम दर, चिंताजनक

निगमायुक्त को लिखे पत्र में महापौर अजय मिश्रा बाबा ने कहा है कि वर्तमान में निविदाओं में एसओरआर से 40 प्रतिशत तक कम दरें प्राप्त हो रही हैं, यह चिंताजनक है। उन्होंने बाजार पर सामग्री उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में कार्यो की गुणवत्ता पर संदेह जताया है। उन्होंने लेख किया है कि अधिकांश कार्यो में बालू के स्थान पर डस्ट का प्रयोग किया जा रहा है, सरिया 20 सेमी. के स्थान पर 30 से 45 सेमी. की दूरी पर डाली जा रही है, कंक्रीट की मोटाई मानक से कम रखी जा रही है। उन्होंने लिखा है कि संज्ञान में यह भी आया है कि गुणवत्ताविहीन कार्य की रिपोर्ट किसी भी स्तर के अभियंता द्वारा नहीं दी जाती, जबकि भुगतान पूर्ण विशिष्टयों के अनुसार कर दिया जाता है। नतीजतन सड़कें निर्माण के तत्काल बाद क्षतिग्रस्त होने लगती हैं। महापौर ने समस्त अपूर्ण नाली निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूर्ण कराए जाने के लिए लिखा है।

कृत कार्यवाही से अवगत कराएं

महापौर ने लेख किया है कि निर्देशित किया जाए कि सभी सीसी कार्यो की कोर कटिंग कार्यपालन यंत्री की उपस्थिति में कराई जाए एवं उनके द्वारा सत्यापित की जाए तथा गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना किसी भी देयक का भुगतान न किया जाए। उन्होंने निगमायुक्त से त्वरित कार्यवाही कर कृत कार्यवाही से 3 दिवस में अवगत कराने को कहा है।

कार्यशाला में कार्य पूर्णता की दी गयी जानकारी

रीवा, नगर संवाददाता।

जन शिक्षा केन्द्र शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय महसाव में 22 जून 26 को 12 बजे से कार्यशाला सह बैठक आयोजित की गयी। कार्यशाला में जन शिक्षक रामकृष्ण द्विवेदी एवं विशाल शुक्ला ने कई कार्यों को 100 प्रतिशत पूर्ण कराना सुनिश्चित किया गया। विशाल ने बताया कि कक्षा 1 की मैपिंग वर्तमान में 115 प्रतिशत पूर्ण,कक्षा 1 से कक्षा 8 की ओव्हरआल मैपिंग 100 प्रतिशत पूर्ण,कक्षा उन्नति 100 प्रतिशत ,चाइल्ड प्रोफाइल फाइनलाइजेशन 90 प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका है। आंगनबाड़ी ट्रॉथिंग कई विद्यालयों की पूर्ण ,समान नागरिक संहिता फॉर्म 100 प्रतिशत भरवा गए,चाइल्ड ट्रैकिंग ऐप द्वारा सर्व तीनों ऑप्शन 100 प्रतिशत पूर्ण कराये गये। विद्यालय में साफ सफाई,शौचालय साफ सुथरा,जर्जर कक्ष के नीचे विद्यालय संचालित ना हो यदि अन्य कक्ष नहीं है तो निकटतम विद्यालय में विद्यालय संचालित करावे,जैसे निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक रेल लाईन से प्रभावित किसानों के साथ भी की जाय: किसान सुब्रत

रीवा, नगर संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन मध्यप्रदेश प्रदेश के अध्यक्ष एव राष्ट्रीय किसान समन्वय समिति के सदस्य किसान सुब्रत ने भारत सरकार, मध्यप्रदेश सरकार रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड पश्चिम मध्य रेलवे, माननीय उपमुख्य मंत्री मध्यप्रदेश, रीवा सीधी सिगरौली सतना पन्ना जिलो के सांसद,प्रभारी मंत्री विधायक,सभी जन प्रतिनिधियो , संभागायुक्त, जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि ललितपुर सिगरौली रेल लाईन के भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानो के साथ भी एक समीक्षा बैठक की जाय ,विकास के नाम पर किसानो की भूमि अधिग्रहण से सम्बंधित मुद्दो को सुना जाय,समुचित निदान की पहल की जाय। आज तक किसानो को समीकक्षा बैठक मे कभी शामिल नही किया गया आखिर क्यो? ललितपुर सिगरौली रेल लाईन चार संसदीय क्षेत्र चारो सांसद सत्ता पक्ष के प्रदेश मे देश मे सरकार फिर भी रेल लाईन से प्रभावित सभी किसानों को आखिर न्याय क्यो नही मिला? जनप्रतिनिधि,प्रशासन, पश्चिम मध्य रेलवे लगातार किसानो की उपेक्षा आखिर क्यो कर रहा है ?

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

पूरी गरिमा के साथ मनाया जाएगा मोहर्रम: अपर कलेक्टर

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कहा कि आगामी 26 जून को पूरी गरिमा के साथ मोहर्रम त्योहार मनाया जाएगा। इस त्योहार में निकलने वाले जुलूसों के मार्ग में नगर निगम तत्काल साफ सफाई कराए। मस्जिदों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सड़कों में आवश्यक सुधार कराएं जिससे जुलूस निकालने में किसी तरह की परेशानी न हो। रीवा में परंपरागत रूप से सभी त्योहार सद्भाव और समन्वय से मनाए जाते हैं। इस परंपरा को बनाए रखें। जुलूस के मार्ग में आवश्यक सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। जुलूस निकालने वाले भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा ने कहा कि मोहर्रम के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त बल तैनात रहेगा। जुलूस में धारदार हथियारों और अस्त्र.शस्त्र का प्रदर्शन न करें। अखाड़े निर्धारित स्थलों पर बिना हथियार के करतब दिखा सकते हैं। आमजन की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का पालन करते हुए जुलूस निकालें। आवश्यक होने पर वाहनों को डायवर्ट करके जुलूस के निकलने की व्यवस्था की जाएगी। जुलूस परंपरागत रूप से निर्धारित मार्गों से ही निकालें। सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस बल को सहयोग करें। बैठक में जुलूस के मार्ग में सराफा गली, प्रकाश चौराहा, फोर्ट रोड, गुलबसिया चौराहा तथा रानी तालाब मार्ग में सड़क सुधार का सुझाव दिया गया। बैठक में डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा, संबंधित अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य एवं मोहर्रम कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

दो दिवसीय संगठनात्मक आयोजन सम्पन्न

सुरेन्द्र सोलंकी एवं उमेश गुप्ता ने संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

रीवा, नगर संवाददाता। आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश के सह-प्रभारी सुरेंद्र सोलंकी तथा दिल्ली से राष्ट्रीय प्रचारक उमेश गुप्ता 20 एवं 21 जून को रीवा जिले का दो दिवसीय संगठनात्मक दौरा किये। इस दौरान जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों रीवा, सिरमौर, गुढ़ एवं मनगवां में संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया गया। रीवा आगमन पर सुरेंद्र सोलंकी का जिला अध्यक्ष सतीश तिवारी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम में मंजुला सिंह पटेल, एडवोकेट सी.एम. गुप्ता, दिनेश पटेल, प्रमोद शर्मा, भक्तराज सिंह, जितेंद्र चौरसिया बीके त्रिपाठी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान श्री सोलंकी ने संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने तथा आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं राष्ट्रीय प्रचारक उमेश गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संगठन निर्माण, जनसंपर्क और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए सर्व सेफ फूड प्रशिक्षण का आयोजन किया

रीवा, नगर संवाददाता। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया ने नेस्ले इंडिया के साथ मिलकर सर्व सेफ फूड पहल के तहत 50 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का प्रशिक्षण आज रीवा के रानीगंज में विवेकानंद मार्ग पर स्थित होटल नील कमल गेस्ट हाउस में आयोजित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और जिम्मेदार बिक्री प्रथाओं के बारे में जागरूक करना था। संवादात्मक सत्रों के माध्यम से विक्रेताओं को स्वच्छ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे खाद्य गुणवत्ता, उपभोक्ता विश्वास और व्यवसाय की स्थिरता में सुधार हो सके। रीवा के संभागीय प्रभारी और खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेऔर उन्होंने प्रतिभागियों को दैनिक बिक्री कार्यों में खाद्य सुरक्षा मानकों और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में संबोधित किया। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया और नेस्ले इंडिया की संयुक्त पहल %सर्व सेफ फूड% 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर प्रशिक्षण के माध्यम से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की क्षमताओं को मजबूत करना है।

संपादकीय

दो दल-दो खलनायक

राजनीति में भी जब कोई बड़ी पार्टी अचानक ताश के पत्तों की तरह ढहती है, तो जनता सबसे पहले एक 'विलेन' की तलाश करती है। इस वक्त पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में भी यही हो रहा है। हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि क्या ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उद्धव ठाकरे के सिपहसालार संजय राउत ही अपनी-अपनी पार्टियों को इस हाल में पहुंचाने के असली जिम्मेदार हैं? हालांकि, राजनीति इतनी सीधी नहीं होती। इस टूट के पीछे अंदरूनी कमजोरी, पुरानी नाराजगी और बाहरी दबाव का एक पूरा चक्रव्यूह काम कर रहा है।

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन जून 2026 में हुआ यह विद्रोह उनके इतिहास की सबसे बड़ी संगठनात्मक हार है। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 58 विधायक और 20 लोकसभा सांसद एक साथ बागी हो गए। हैरान करने वाली बात यह है कि इन बागियों का गुस्सा ममता बनर्जी पर नहीं, बल्कि उनके भतीजे और पार्टी के नंबर दो नेता अभिषेक बनर्जी पर फूटा है। बागी नेताओं का सीधा आरोप है कि अभिषेक बनर्जी ने पूरी पार्टी को आई-पैक नाम की एक कॉर्पोरेट चुनावी एजेंसी के हवाले कर दिया था। जो नेता वर्षों से जमीन पर लाठियां खाकर पार्टी को सत्ता में लाए थे, उन्हें अचानक एक प्राइवेट कंपनी के अफसरों के इशारों पर चलना पड़ रहा था। टिकट बांटने से लेकर संगठन के हर छोटे-बड़े फैसले में पुराने नेताओं को दरकिनार किया गया, जिससे उनका स्वाभिमान आहत हुआ। बागी नेता खुलकर कह रहे हैं कि वे ममता दीदी का सम्मान करते हैं, लेकिन अभिषेक का कॉर्पोरेट नेतृत्व उन्हें स्वीकार नहीं है। इस गुस्से को हवा देने का काम किया 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव ने, जहां भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में टीएमसी को करारी शिकस्त दी। रही-सही कसर कोयला और शिक्षक भर्ती जैसे घोटालों में ईडी और सीबीआई की बढ़ती जांच ने पूरी कर दी। कई दागी नेताओं को लगा कि अगर जेल जाने से बचना है, तो पाला बदलना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है।

महाराष्ट्र की कहानी भी बंगाल से अलग नहीं है। साल 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद जून 2026 में उद्धव ठाकरे को दूसरा सबसे बड़ा झटका लगा है। इस बार उनके बचे हुए नौ लोकसभा सांसदों में से छह सांसद बागी होकर शिंदे गुट में शामिल हो गए हैं। यह बगावत पूरी कानूनी गणित के साथ की गई है, क्योंकि ठीक दो-तिहाई सांसद टूटने की वजह से दलबदल कानून के तहत इनकी सांसदी सुरक्षित रहेगी। इन बागी सांसदों का सीधा निशाना संजय राउत की कार्यशैली और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व पर है। नेताओं का आरोप है कि संजय राउत जैसे गिने-चुने चेहरों के अत्यधिक प्रभाव के कारण उद्धव ठाकरे से मिलना आम कार्यकर्ताओं और सांसदों के लिए नामुमकिन हो चुका था। जमीन का सच ठाकरे परिवार तक पहुंचने ही नहीं दिया गया और टिकटों का बंटवारा बंद कमरों में मनमाने ढंग से हुआ। दूसरा बड़ा कारण विचारधारा का भ्रम रहा। कांग्रेस और एनसीपी के साथ गठबंधन में रहने के कारण शिवसेना-यूबीटी के सांसद अपने ही क्षेत्रों में घिर रहे थे, क्योंकि उनका पारंपरिक वोटर प्रखर हिंदुत्ववादी है। सांसदों को लगा कि अगर वे इसी गठबंधन में रहे, तो उनका राजनीतिक अस्तित्व खत्म हो जाएगा। इसी कारण सांसदों ने सत्ता पक्ष के साथ जाना बेहतर समझा।

ख्वाजा आसिफ : भारत के खिलाफ युद्ध की गीदड़भभकी

अगर धमकी देते देते पाकिस्तान ने सचमुच युद्ध छेड़ दिया तो भारत क्या करेगा?

नीरज कुमार दुबे

बड़बोले ख्वाजा आसिफ कभी भारत को परमाणु बम की धमकी देते हैं, कभी जल युद्ध की हुंकार भरते हैं और कभी देशी विदेशी मीडिया को दिए गए साक्षात्कारों में यह कबूल करते नजर आते हैं कि हर जंग में पाकिस्तान की फौज को भारत के हाथों मुंह की खानी पड़ी है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की ताजा गीदड़ भभकी भी उसी बौखलाहट का नतीजा है, जो आतंकवाद के सहारे भारत को अस्थिर करने की नाकाम कोशिशों के बाद अब पानी के मुद्दे पर नया शोर मचा रही है। असलियत यह है कि पाकिस्तान की सत्ता और सेना दोनों ही अपने ही देश की नाकामियों को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रहे हैं।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत के खिलाफ युद्ध की गीदड़भभकी दी है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में आसिफ ने कहा कि यदि पाकिस्तान की जल सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ तो इस्लामाबाद भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने पानी को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम हिस्सा बताते हुए आरोप लगाया कि भारत अगर जल आपूर्ति रोकने की दिशा में आगे बढ़ता है तो हालात युद्ध तक पहुंच सकते हैं। यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर पाकिस्तान को साफ संदेश दे दिया था कि आतंकवाद और बातचीत अब साथ-साथ नहीं चल सकते।

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई सिंधु जल संधि के तहत सिंधु बेसिन से मिलने वाले जल से पाकिस्तान की करीब अस्सी प्रतिशत खेती चलती है। लेकिन दशकों तक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को अब इस बात का डर सताने लगा है कि संधि स्थगित होने के बाद भारत अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसे जैसे भारत अपने अधिकार के पानी का इस्तेमाल बढ़ाएगा, वैसे वैसे पाकिस्तान की पहले से डगमगाती अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था पर संकट और गहराता जाएगा।

साथ ही ख्वाजा आसिफ ने भारत पर चिनाब नदी के प्रवाह को हथियार की तरह इस्तेमाल करने और जल संबंधी सूचनाएं रोकने का आरोप लगाया है। हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। सिंध और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में हालात बेहद खराब बताए जा रहे हैं। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक कई नहरों में भारी जल कमी दर्ज की गई है, जबकि पंजाब प्रांत पर तय हिस्से से ज्यादा पानी लेने के आरोप लग रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पाकिस्तान के प्रांतों के बीच पानी को लेकर टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। यानी अपने ही घर में जल संकट और अव्यवस्था संभालने में नाकाम पाकिस्तान अब भारत पर आरोप लगाकर अपनी जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

लेकिन पाकिस्तान को समझना होगा कि यह पुराना भारत नहीं है। पिछले महीने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने साफ शब्दों में दुनिया को बता दिया था कि भारत हर चुनौती का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है और यदि जरूरत पड़ी तो ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तीनों सेनाएं चौबीसों घंटे तैयारी कर रही हैं। सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच तालमेल मजबूत किया जा रहा है और भविष्य के युद्ध की हर परिस्थिति को ध्यान में रखकर रणनीति बनाई जा रही है। जनरल द्विवेदी का यह बयान भारत की सैन्य शक्ति और आत्मविश्वास का परिचायक था। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का मैदान पूरी तरह पारदर्शी हो चुका है, जहां दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। भारतीय सेना सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर सजग है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत अब हर मोर्चे पर निर्णायक जवाब देने की क्षमता रखता है। आतंकवाद, घुसपैठ, जल विवाद या सीमा पर उकसावे की हर हरकत का जवाब नए भारत की सेना उसी भाषा में देना जानती है। ख्वाजा आसिफ की गीदड़ भभकियां पाकिस्तान की कमजोरी और डर को उजागर करती हैं, जबकि भारतीय सेना का शौर्य, अनुशासन और तैयारी यह साबित करती है कि देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को इस बार बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

फिर भी यदि मान लिया जाए कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने की हिमाकत करता है तो सवाल उठता है कि भारत क्या करेगा? इसका जवाब यह है कि इस बार भारत की ओर से केवल सीमा पर जवाब नहीं मिलेगा, बल्कि जमीन, आसमान और समंदर तीनों मोर्चों पर पाकिस्तान को ऐसी मार झेलनी पड़ सकती है जिसकी कल्पना भी इस्लामाबाद के हुक्मरानों ने नहीं की होगी। भारतीय सेनाध्यक्ष के बयानों के अलावा, दुनिया भर की रक्षा रिपोर्टों और सैन्य विश्लेषणों का अध्ययन बताता है कि पारंपरिक युद्ध क्षमता, आधुनिक हथियारों, आर्थिक ताकत, सैन्य तकनीक और रणनीतिक तैयारी के मामले में भारत पाकिस्तान पर कई गुना भारी पड़ता है।

हम आपको बता दें कि दुनिया की सबसे अनुभवी और विशाल सेनाओं में शामिल भारतीय थलसेना के पास सैनिक संख्या, आधुनिक तोपखाना, मिसाइल शक्ति और युद्धक टैंकों का ऐसा जाल है जो पाकिस्तान की जमीनी रक्षा को चंद दिनों में चरमरा सकता है। भारत के पास पिनाका बहु नली रॉकेट प्रणाली, धनुष तोप, K9T अजय टैंक, T90 भीष्म टैंक और ब्रह्मोस जैसी घातक मारक क्षमता है। ब्रह्मोस मिसाइल ध्वनि की गति से कई गुना तेज रफ्तार से दुश्मन के ठिकानों को मिट्टी में मिला सकती है। हाल के वर्षों में भारत ने स्वदेशी रक्षा निर्माण को तेजी से मजबूत किया है, जिसके कारण सेना को लगातार आधुनिक हथियार और तकनीक मिल रही है। भारतीय वायुसेना की सबसे घातक ढाल एस-400 वायु रक्षा प्रणाली है। यह प्रणाली सैकड़ों किलोमीटर दूर से दुश्मन के विमान, मिसाइल और ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती है। हालिया सैन्य अभियानों और अभ्यासों में इस प्रणाली ने साबित किया कि पाकिस्तान की हवाई घुसपैठ या मिसाइल हमले को भारतीय रक्षा कवच के सामने टिकना बेहद कठिन होगा। समंदर की बात करें तो भारतीय नौसेना पाकिस्तान की नौसैनिक क्षमता पर भारी बढ़त रखती है। भारत के पास विमानवाहक पोत विक्रांत, परमाणु पनडुब्बी अरिहंत, अत्याधुनिक युद्धपोत, विध्वंसक जहाज और लंबी दूरी तक मार करने वाली समुद्री मिसाइलें हैं। भारतीय नौसेना अरब सागर में पाकिस्तान के बंदरगाहों और समुद्री आपूर्ति मार्गों को घेर सकती है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा समुद्री व्यापार पर निर्भर है और यदि भारतीय नौसेना ने नाकेबंदी कर दी तो पाकिस्तान के लिए ईंधन, हथियार और व्यापारिक आपूर्ति बनाए रखना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

इसके अलावा, भारत की सबसे बड़ी ताकत केवल हथियार नहीं बल्कि तीनों सेनाओं के बीच बढ़ता तालमेल भी है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत भविष्य के युद्ध के लिए चौबीसों घंटे तैयारी कर रहा है और तीनों सेनाएं मिलकर समन्वित युद्ध रणनीति पर काम कर रही हैं। आधुनिक निगरानी प्रणाली, सूचना युद्ध, उपग्रह क्षमता और त्वरित हमला करने की तैयारी भारत को निर्णायक बढ़त देती है। हालांकि यह भी सच है कि दोनों देशों के पास परमाणु हथियार हैं और किसी भी पूर्ण युद्ध का परिणाम पूरे क्षेत्र के लिए विनाशकारी हो सकता है। लेकिन पारंपरिक युद्ध क्षमता की बात करें तो वैश्विक रक्षा विश्लेषण साफ संकेत देते हैं कि भारत संख्या, तकनीक, अर्थव्यवस्था, हथियारों और रणनीतिक तैयारी के मामले में पाकिस्तान पर स्पष्ट रूप से भारी पड़ता है। यही कारण है कि पाकिस्तान बार बार गीदड़ भभकियां तो देता है, लेकिन सीधे युद्ध की कीमत चुकाने का साहस शायद ही जुटा पाए।

बहरहाल, सैन्य ताकत के साथ-साथ भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका निर्णायक नेतृत्व भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के सामने एक ऐसे सख्त और स्पष्ट नेता की छवि बनाई है जो देश की सुरक्षा के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करता। सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर से लेकर आतंकवाद के खिलाफ कड़े वैश्विक अभियान तक, मोदी ने यह साबित किया है कि नया भारत केवल चेतावनी नहीं देता बल्कि जवाब भी देता है। आज दुनिया के प्रमुख देशों के साथ भारत के मजबूत रणनीतिक संबंध हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मोदी की बात को गंभीरता से सुना जाता है। दूसरी ओर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर की स्थिति अपने ही देश में कमजोर और विवादों से घिरी हुई है। आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की छाया से जूझते पाकिस्तान के नेतृत्व की तुलना भारत के मजबूत और आत्मविश्वासी नेतृत्व से नहीं की जा सकती। यही कारण है कि जब भारत का नेतृत्व दृढ संकल्प के साथ खड़ा होता है तो पाकिस्तान की धमकियां दुनिया को खोखली और बौखलाहट भरी ही नजर आती हैं।

राम का नाम बदनाम न करो

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अयोध्या के नवनिर्मित श्री राम मन्दिर में चढ़ावे की कथित चोरी या घपले की खबर नितान्त पीड़ादायक है क्योंकि भगवान श्री राम से भारत व विश्व के करोड़ों हिन्दुओं की आस्था व श्रद्धा जुड़ी हुई है। श्री राम का मर्यादित आदर्श मनुष्य चरित्र भारतीयों के लिए अनुकरणीय इस तरह रहा है कि हर घर में रामायण का होना निश्चित होना माना जाता है और किसी भी विवाह में इसकी प्रति भेंट करना सबसे अमूल्य उपहार होती है। इसलिए स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी जनजीवन में व्याप्त राम के प्रति अगाध सम्मान को संज्ञान में लेते हुए रामराज्य की परिकल्पना का चित्रण स्वतन्त्र भारत के लिए किया और

रघुपति राघव राजा राम
पतित पावन सीताराम

को भारतीयों की सहिष्णुता व एकता का परिचायक बना दिया। इसका प्रमुख कारण यह था कि गांधी जानते थे कि स्वतन्त्रता आन्दोलन से आम जनता को जोड़ने के लिए उसके आदर्श प्रतीक ही पूरे समाज में नव ऊर्जा का संवाहन कर सकते हैं। अत: श्री राम भारत की उस आत्मा में समाये हुए हैं जिसे भारतीयता भी कहते हैं। इसलिए उनके मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ावे में यदि हेर-फेर की सूचना आती है तो इससे समूचे भारत की सांस्कृतिक पहचान पर गहरी चोट पहुंचती है। हालांकि महात्मा गांधी की कुछ क्षेत्रों में इस बात को लेकर आलोचना भी हुई कि उन्होंने हिन्दू प्रतीकों को ही क्यों चुना मगर गांधी ने इसका उत्तर सर्वदा रामराज्य परिकल्पना से ही दिया परन्तु स्वतन्त्र भारत में जिस तरह अयोध्या में 80 व 90 के दशक में राम मन्दिर निर्माण आन्दोलन चला उसने भारतीय राजनीति को ही आमूल-चूल रूप से बदल कर रख दिया और इस आन्दोलन ने राष्ट्रीय आकार ले लिया जिसमें हिन्दू समाज के सभी वर्गों के लोगों ने अपनी आहुती दी और यह नारा बुलन्द किया कि 'मन्दिर वहीं बनायेंगे, जहां राम का जन्म हुआ था'। तब हमने देखा कि अयोध्या में राम जन्म स्थान पर 16वीं सदी में खड़ी की गई बाबरी मस्जिद किस तरह ढहा दी गई और बाद में इसका मुकदमा स्थानीय न्यायालय से होते हुए सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और वहां से विवादित स्थान हिन्दू समुदाय को मन्दिर निर्माण के लिए दिया गया।

लगभग पांच सौ साल के लम्बे संघर्ष के बाद भारत के हिन्दुओं को अयोध्या का वह स्थल मिला जिसे वे मानते थे कि वहीं पर भगवान श्री राम का जन्म हुआ था। इस संघर्ष में सैकड़ों लोग शहीद भी हुए मगर उनकी आस्था नहीं डिगी और वे मानते रहे कि भारत में मुस्लिम आक्रान्ताओं ने उस दौर में भारत पर अपना दबदबा कायम करने के लिए हिन्दू धर्म के आस्था केन्द्रों की पहचान बदली और उनका इस्लामीकरण किया। बाबरी मस्जिद को तब आन्दोलनकारी नेताओं ने गुलामी का प्रतीक बताया और उससे आजादी पाने का अभियान शुरू किया, तब जाकर अयोध्या में श्रीराम मन्दिर निर्माण एक ट्रस्ट गठित करके किया गया। मन्दिर निर्माण के बाद ट्रस्ट का पुनर्गठन हुआ और इसकी देखरेख का जिम्मा इसे सौंप दिया गया, जिसमें श्री राम पर चढ़ने वाले चढ़ावे का हिसाब-किताब रखने के लिए अलग से प्रभाग था। मगर मन्दिर प्रबन्धन की तरफ से इसमें ढीलढाल बरती गई जिसकी वजह से चढ़ावे की धनराशि व कीमती वस्तुओं की चोरी किये जाने का कथित मामला प्रकाश में आया है।

वास्तव में यदि ऐसा हुआ है तो यह ऐसा कुकृत्य है जिसे किसी भी स्तर पर क्षमा नहीं किया जा सकता क्योंकि मन्दिर में एक गरीब मजदूर भी अपने खून-पसीने की कमाई में से ही कुछ अंश का दान करता है। इसलिए चढ़ावे में चोरी होने की घटना पूरे भारत और इसकी संस्कृति का घोर निरादर है जिसके लिए दोषी किसी भी रूप में बख्शे नहीं जाने चाहिए परन्तु प्रसन्नता की बात यह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने इस खबर के बाहर आते ही तुरत-फुरत विशेष जांच दल का गठन कर दिया और उसे अपनी अन्तिम रिपोर्ट देने के लिए केवल 15 दिन का समय दिया। योगी आदित्यनाथ स्वयं गोरखपुर के गोरख मठ के पीठाधीश्वर हैं और जानते हैं कि हिन्दुओं में अपने आराध्य देवों व इष्ट देवों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का कितना उच्च स्तर होता है। अत: यह तीन सदस्यीय जांच दल युद्ध स्तर पर अपना काम कर रहा है। इसने शुरू के पांच दिनों में जांच करके एक प्रारम्भिक अन्तरिम रिपोर्ट भी तैयार कर ली है जिसे वह आज सोमवार को राज्य सरकार को सौंप देगा। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने इस जांच दल का दायरा भी बढ़ा दिया है और ट्रस्ट द्वारा किये गये भूमि खरीद सौदों को भी इसकी परिधि में ला दिया है जिससे आरोपों की हर कोण से जांच हो सके। इसके साथ ही उन्होंने अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के पास चढ़ावा चोरी किये जाने के मुतल्लिक किसी प्रकार के सबूत हैं तो वह उसे जांच दल को सौंप सकता है। चढ़ावा चढ़ाने वालों से भी ब्यौरा देने का आग्रह किया गया है।

मन्दिर के लिए जिन ठेकेदारों ने समय-समय पर विभिन्न माल उपलब्ध कराया है उनसे भी जांच दल पूछताछ कर रहा है। अत: शक के हर दायरे की गहन जांच-पड़ताल का काम चल रहा है। जांच दल मन्दिर प्रबन्धन व ट्रस्ट के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों को आमने-सामने बैठा कर उनसे तीखे सवाल-जवाब कर रहा है। मगर दूसरा पहलू यह भी है कि इस मुद्दे पर राजनीति की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि पूरा मामला श्रीराम के प्रति आस्था से जुड़ा हुआ है अत: जांच का स्तर भी इतना ऊंचा होना चाहिए कि किसी भी राजनीतिक दल का कोई भी नेता उस पर सन्देह न कर सके। बेशक चढ़ावा चोरी करने वालों ने राम का नाम बदनाम किया है और भारतीय संस्कृति को कलंकित करने का कृत्य किया है। अत: इसकी सजा भी अनुकरणीय होनी चाहिए जिससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति ऐसा कार्य करने की हिम्मत न कर सके।

बदले हुए समय में भगवान

संतोष उत्सुक

व्यंग्य

इंसान ने समय बदल दिया है। उसकी नैसर्गिक बुद्धि ने, अपनी ही खुराफातों और गुस्ताखियों से बचने के लिए नकली बुद्धि का निर्माण किया। इधर नकली बुद्धि ने उसकी ही नाक में दम कर दिया है और उधर धार्मिक होते जा रहे इंसान से भगवान परेशान हो गए हैं। इंसान ने भगवान को बहुत पहले से ही नकदी, सोना, चांदी और ज़मीन देकर अपने जैसा कर लिया था। अब उन्हें अपनी महाबदमाशियों में शामिल करना शुरू कर दिया है। भगवान को अपने व्यवसाय में स्लीपिंग पार्टनर बना लिया है। उन्हें खुश रखने के लिए धार्मिक कार्य और आयोजन किए जाते हैं जिनमें उनका सार्वजनिक आशीर्वाद प्राप्त कर लिया जाता है।

वास्तव में बाज़ार में खड़े इंसान ने भगवान् को अपना हेराफेरी पार्टनर बना दिया है। जब समझदार इंसान धंधा कर रहा होता है, लालच उसे लुभाने लगता है और वह दूसरों द्वारा भगवान् के नाम पर संचित की गई संपत्ति में से भी हिस्सा ऐंठने लगता है। बहुत पुरानी प्रेरक और सफल कहावत है, 'भगवान् नाम जपना, पराया माल अपना'। इस मामले में खुद को सुरक्षित रख, हेराफेरी करने वाले ज्यादा समझदार लोग भगवान् से आग्रह करने लगे हैं कि वे अपनी संपत्ति, नकदी और जेवर का ध्यान स्वयं रखें। भगवान तो हर जगह उपस्थित हैं, सर्वशक्तिमान हैं। जिन्हें संसार का मालिक माना जाता है, जिनकी मर्जी के बिना एक पत्ता ज़रा सा भी नहीं हिल सकता तो फिर किसी डाकू या चोर इंसान की क्या औकात और हिम्मत कि उनकी दौलत में सेंध लगा ले और सफलता से चुरा भी ले। ऐसा होता है तो फिर ऐसे में आम लोगों की संपत्ति की रक्षा कैसे हो सकती है। वह बात अलग है कि उनका निवास बनवाने के लिए उनके प्रिय अनुयायी इंसान, न्यायालय में कई दशक तक कानूनी जंग लड़ते हैं, तब कहीं जाकर उनके निवास का निर्माण हो सकता है। दुनिया के अत्यंत शक्तिशाली और प्रभावशाली की स्थिति कितनी असहाय है।

भगवान के सक्रिय न होने पर कुछ इंसान कहते हैं कि भगवान् बाहर नहीं है वह तो इंसान के मन के भीतर हैं यानी इंसान दवारा बनाई महंगी, विशाल और सुन्दर ईमारतों में भगवान् नहीं है। इंसान ने जो उनके नाम पे किया वास्तव में अपने लिए किया। ऐसी हरकतें देखकर तो उनका अपने भक्तों पर से विशवास भी डगमगा कर उठ गया होगा। सवाल यह है कि क्या इंसान नाम का प्राणी उनके विशवास लायक है। वह तो हर क्षण अपनी स्वार्थपरता, लालची और धोखा प्रवृति के प्रमाण देता रहता है। यह सब भी तो मानवीय प्रवृतियां हैं और हर युग के चरित्रों में विद्यमान रही है चाहे त्रेता हो या द्वापर। अब महाघोर कलयुग चल रहा है, जिसका आधार कार्ड बताता है कि पहले शातिर इंसान, भगवान् के नाम का धार्मिक चोगा धारण कर सामान्य दूसरों को रिझाएगा, फुसलाएगा, ठगेगा और फिर भगवान् के सहारे इकट्ठा किए धन दौलत को अपना माल बना लेगा। उधर ऊंचे, खूबसूरत मंच पर राजनीति अर्धनग्न नृत्य करती रहेगी। वह नाच किस किस को कैसे नचा रहा होगा यह लिखने की नहीं समझने की बात है। असली भगवान किसी भी तरह के कुकृत्यों को कदापि पसंद नहीं करेंगे। इसलिए मूर्ख इंसान को सांसारिक मामलों में समझाना भी बंद कर देंगे। अपना समय मधुर संगीत और मनपसंद पेय और स्वास्थ्य रक्षक भोजन करने में व्यतीत करेंगे।

सुना है पश्चिम बंगाल में अंडों की भयंकर शार्टेज हो गई...

एक खबर सुनी है कि पश्चिम बंगाल में अंडों की भारी शॉर्टेज हो गई है, वहां की मुर्गियां मुंह छुपाए घूम रही है कि आखिर हम एक दिन में कितने अंडे दें । पोल्ट्री फार्म के मालिक सुबह से अंडे बटोरने आ जाते हैं और यदि इनकी संख्या कम होती है तो इन बेचारी मुर्गियों को डांटते फटकारते हैं ये तक चेतावनी देते हैं कि अगर अगली बार कम अंडे दिए तो समझ लेना कि मुर्गी दाना नहीं मिलेगा ,अब वे बेचारी मुर्गियों करें तो क्या करें ? जितनी उनकी हैसियत है उतने अंडे दे देती हैं। लोग बात पूछ रहे हैं कि आखिर पश्चिम बंगाल में अंडो की इतनी कमी अचानक से क्यों हो गई? दरअसल वहां अंडों की रेसिपी नहीं बन रही बल्कि टीएमसी के नेताओं को अंडे फेक कर मारा जा रहा है अब ऐसा तो है नहीं कि किसी टीएमसी के नेता पर एक अंडा फेंका और वो सही निशाने पर बैठ जाए इसलिए अंडे मारने वाले 20-20 संडे लेकर आ रहे हैं कि कोई तो एक निशाने पर बैठेगा। स्थिति ये हो गई है की अंडों से बनने वाली रेसिपी एग भाजी विथ चटनी, एग पेपर फ्रॉम तवा, तेलुगु अंडा करी, साली पर ईडा (पारसी डिश) अप्पम एंड एग,एग कोडू पराठा, एग कीमा, एग दोसा, आमलेट एग नर्गिसी कोफ्ता, भुरजी जैसी रेसिपी जिन रेस्टोरेंट में मिलती थी वहां बोर्ड लग गया है नॉट अवेलेबल सुना है कि कई लोगों ने अपना दूसरा धंधा छोड़कर पोल्ट्री फार्म किराए से ले लिए हैं क्योंकि जिस गति से अंडों की बिक्री हो रही है और वे खरीदे जा रहे हैं उसमें प्रॉपर्टी ही प्रॉफिट है, खबर तो ये भी है कि कई देशों ने पश्चिम बंगाल में अंडो का निर्यात शुरू कर दिया है। विदेशी मुर्गियां वैसे भी ज्यादा हट्टी कट्टी होती है इसलिए उनके अंडे भी काफी वजनदार होते हैं इसलिए अंडे फेंकने वाली जनता को ये अंडे ज्यादा पसंद आ रहे हैं लेकिन जो लोग आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं वे देशभक्त लोग देसी अंडे ही खरीद रहे हैं, वैसे अंडा प्रोटीन का सबसे बड़ा सोर्स होता है ऐसा कहा जाता है कि इसमें विटामिन डी और ओमेगा 3 के अलावा फैटी एसिड भी होता है अंडे में विटामिन ए भी होता है जो न केवल बालों को बढ़ाता है बल्कि आंखों की रोशनी के लिए भी उपयोगी होता है लेकिन इन तमाम बातों को छोड़कर लोग बाग अंडे का उपयोग सिर्फ और सिर्फ टीएमसी के नेताओं को मारने में लगे हैं वो तो अच्छा हुआ कि परंपरा टमाटर और अंडे मारने की ही है वरना यदि ये परंपरा कुम्हड़ा, तरबूज, खरबूज,लौकी, कटहल, आम बादाम, फाजली आम मारने की होती तो अभी तक तो सैकड़ो टीएमसी के नेता जख्मी होकर अस्पताल में भर्ती हो जाते इसलिए कहते हैं कि बड़े पुराने लोगों ने बहुत सोच समझकर ये सारी चीजें ईजाद की होगी, बहरहाल अब देखते हैं कि पश्चिम बंगाल में अंडों की ये शार्टेज कब तक खत्म होती है।

अब खरगोश पार्टी

आजकल जो भी राजनीतिक पार्टी बना रहा है उन्हें जीव जंतुओं से बड़ी मोहब्बत हो गई है देश के प्रधान न्यायाधीश ने बेरोजगारों को कॉकरोच क्या कह दिया अमेरिका में बैठे भाई साहब ने तुरंत काकरोच जनता पार्टी बना डाली, जगह-जगह आंदोलन प्रदर्शन शुरू हो गए उसकी सफलता को देखकर बिग बॉस 2 के विजेता एल्विस यादव ने इंटरनेट मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ खरगोश जनता पार्टी की घोषणा कर दी अब एक तरफ कॉकरोच है तो दूसरी तरफ खरगोश, दोनों का युद्ध होगा लेकिन अपने को मालूम है कि कॉकरोच को हराना इतना आसान काम नहीं है वो ही एक ऐसा जीव है जो कहां छुप जाए कोई नहीं जानता ,आप लाख ढूंढते रहो लेकिन वो कौन सी दरार में घुसा हो ये पेस्ट कंट्रोल वाले भी नहीं पहचान पाते जैसे पुराने जमाने में गुरिल्ला युद्ध होता था लगता है ये कारचोच उसी गुरिल्ला युद्ध से इंस्पायर्ड हैं , अब कॉकरोच और खरगोश जनता पार्टी के बाद ऐसा लगता है कि कुछ और पार्टियां बनेगी क्योंकि इन दोनों पार्टियों को भारी पब्लिसिटी मिल गई है इसलिए हो सकता है कि अब केंचुआ जनता पार्टी, पटार जनता पार्टी, छछूंदर जनता पार्टी, छिपकली जनता पार्टी, मच्छर जनता पार्टी, मेंढक जनता पार्टी,झींगुर जनता पार्टी,सांप जनता पार्टी, भी बन जाए अगर बड़े जानवरों से प्रेम होगा तो हाथी, शेर, चीता, भालू, तेंदुआ, भेड़िया, सियार जनता पार्टी भी अस्तित्व में आ सकती है देखना होगा कि अब ये तमाम पार्टियों कब जनता के सामने आती हैं

लोकायुक्त में धंधा

प्रदेश के बड़े अखबार ने एक स्टिंग ऑपरेशन किया जिसमें भ्रष्टाचार करने वालों ,अनियमितताएं करने वालों, खुले आम रिश्वत लेने वालों को पकड़ने के लिए बने लोकायुक्त में किए गए ऑपरेशन ने खुलेआम बता दिया यदि आपके पास पैसा है तो पैसे दो और मामला निपटा दो, अब जिस विभाग पर भ्रष्टाचारियों रिश्वतखोरों को पकड़ने की जिम्मेदारी हो या न्याय दिलाने की जिम्मेदारी हो यदि उसमें तैनात अफसर भ्रष्टाचार करने में लग जाए तो फिर शिकायत करने वाला जाए तो जाए कहां? इस स्टिंग ऑपरेशन में खुलेआम वहां पर तैनात अफसर छुपे कैमरे में स्वीकार कर रहे हैं और बकायदा मामला निबटाने का रेट बता रहे हैं इतना पैसा दो तो आपका काम हो जाएगा। जैसे ऑपरेशन सामने आया भारी हड़कंप मच गया अब पता लगा है कि अपने अफसरों पर नजर रखने के लिए लोकायुक्त में एक विजिलेंस टीम बना दी गई है ये टीम अफसरों पर नजर रखेगी लेकिन हुजूर इस विजिलेंस टीम में भी आफ्टर ऑल अफसर ही तो शामिल होंगे, अगर वे भी कहीं इसी दौड़ में शामिल हो गए तो उनके ऊपर कौन रखा जाएगा यह बड़ा सवाल है? हो सकता है कि विजिलेंस टीम पर नजर रखने के लिए एक्स्ट्रा विजिलेंस टीम उस पर नजर रखने के लिए हायर विजिलेंस टीम उस पर नजर रखने के लिए मोस्ट लॉयल विजिलेंस टीम और इस टीम पर भी नजर रखने के लिए हाईएस्ट विजिलेंस टीम का गठन किया जाएगा।

अपना तो मानना यह है कि फालतू की टीम बनाने का कोई मतलब नहीं है जैसा चल रहा है चलने दो वैसे भी सरकारें अभियोजन की स्वीकृति देती कहां है और जब तक अभियोजन की स्वीकृति नहीं मिलती तो लोकायुक्त करे तो क्या करे।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

मेरी शराफत देखो मैने तुम्हें देखे बिना ही तुमसे शादी करली श्रीमती जी ने श्रीमान जी पर अहसान जताते हुए कहा

मेरी शराफत तो तुमसे भी ज्यादा बड़ी है जो मैने तुम्हें देखकर भी तुमसे शादी कर ली श्रीमान जी ने उत्तर दिया।

संक्षिप्त समाचार

डॉ.श्यामप्रसाद मुखर्जी की जयंती को एक पखवाड़े के रूप में मनाएगी भाजपा

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के स्तंभ पितृ पुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वी जयंती वर्ष पर आगामी 23 जून से 6 जुलाई तक भाजपा एक संस्मरण पक्ष के रूप में मनाएगी जिसके अंतर्गत बूथ स्तर तक कई कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित किए जाएंगे। जिसमें संस्मरण पक्ष के अतिरिक्त काले दिवस का अध्याय एवं प्राथमिक सदस्यों एवं बूथ समिति सदस्यों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण अभियान कार्यक्रम प्रमुख रूप से रहेंगे। इस हेतु सोमवार को महानगर जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया के नेतृत्व में कार्यक्रम टोली संयोजकों, सहसयोजकों की विशेष बैठक हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने 23 जून को सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को सुबह 9 बजे फूलबाग स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आव्हान किया है।

खरीफ तैयारियों को लेकर कल संभागीय समीक्षा बैठक

ग्वालियर। रबी वर्ष 2025-26 की समीक्षा एवं खरीफ वर्ष 2026 की तैयारियों को लेकर 24 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में होगी। प्रथम चरण में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक किसान कल्याण एवं कृषि विकास, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा सहकारिता विभाग की समीक्षा की जाएगी। वहीं दूसरे चरण में दोपहर 3 बजे से पशुपालन, डेयरी विकास, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं और तैयारियों की समीक्षा होगी। बैठक में ग्वालियर और चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टर, जिला पंचायतों के सीईओ तथा संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने सभी कलेक्टरों को जिले की विस्तृत जानकारी के साथ उपस्थित रहने तथा विभागीय अधिकारियों को गूगल मीट के माध्यम से बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए हैं।

चेम्बर चुनावः धन बल और जन बल की दम पर हो रहा है प्रचार

बोले व्यापारी अंत में जिसका पलड़ा होगा भारी उसे ही देंगे वोट

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव को लेकर चेम्बर की राजनीति अब गरमाती जा रही है। पार्टियों के दौर शुरू हो गए हैं जिसमें धनबल और जनबल खूब देखने को मिल रहा है। वहीं एक सर्वे के अनुसार व्यापारियों का कहना है कि अभी तो वह माहौल को देख रहे हैं। 10 जुलाई के बाद अध्यक्ष पद पर जिसका पलड़ा भारी होगा उसे ही हम वोट देंगे। अब इस चुनाव में देखना यह है कि कौन प्रत्याशी कितना जोर लगाकर मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। वहीं फिलहाल चेम्बर के सदस्य प्रत्याशियों की सभी पार्टियों का आनंद उठा रहे हैं।

चेम्बर के चुनाव 17 जुलाई को होना है। इस चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण पद अध्यक्ष का है और सभी की इस पर निगाहें टिकी हुई हैं। व्हाइट हाउस से टिकट कटने के बाद 17 जून 2026 को माधव मंगल पैलेस में डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने निर्दलीय रहते हुए अध्यक्ष पद की ताल ठोक दी है। वहीं व्हाइट हाउस से पारस जैन इस पद पर पहले से ही चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव में इन दोनों प्रत्याशियों की बीच कांटे की टक्कर होने वाली है। इसमें खास बात यह है कि डॉ. प्रवीण अग्रवाल के 17 जून के कार्यक्रम में 800 से अधिक व्यापारियों की संख्या देखने को मिली। इसमें से कई व्यापारियों ने मंच के माध्यम से डॉ. अग्रवाल की जमकर प्रशंसा की। उस पल कुछ समय के लिए तो ऐसा लगा कि इस बार अध्यक्ष पद पर एक तरफा वोटिंग होने वाली है। इस भीड़ और व्यापारियों की बातें सुनकर व्हाइट हाउस भी सकते में आ गया। इसके दूसरे-तीसरे दिन डॉ. अग्रवाल की तारीफ करने वाले व्हाइट हाउस की बैठक में दिखाई दिए। जब उन व्यापरियों से पूछा गया कि आप तो पार्टी में डॉ. अग्रवाल की तारीफ करते नहीं थक रहे थे, तब उन्होंने कहा कि यह चुनाव है। हम व्हाइट हाउस से जुड़े हैं इसलिए यहां आए हैं। अंत समय में अध्यक्ष पद पर जिसका पलड़ा भारी होगा उसे ही हम अपना वोट देंगे। मतदाताओं की बदली हुई मानसिकता के कारण अध्यक्ष पद के दावेदारों को अभी और अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। क्योंकि ऐन वक्त पर ऊंट किस करवट बैठ जाए कुछ कहना मुश्किल है।

क्रिएटिव हाउस का भोज आज, प्रवीण का जन्मदिन कल मनेगा

चुनाव में क्रिएटिव हाउस 23 जून मंगलवार को रंगमहल गार्डन में सुंदरकाण्ड पाठ के साथ एक बड़ा भोज देने जा रहा है। वहीं अध्यक्ष पद के निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. प्रवीण अग्रवाल 24 जून बुधवार को संकट मोचन हनुमान मंदिर गेंदघर फूलबाग पर अपना जन्मदिन मनाएंगे।

चेम्बर चुनाव की अधिसूचना जारी, प्रत्याशी 27 से करेंगे नियोजन पत्र प्रस्तुत

● 1278 सदस्यों का सदस्यता शुल्क बकाया

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स के लिए निर्वाचन अधिकारी अशोक विजयवर्गीय ने अपनी टीम के साथ सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी। निर्वाचन अधिकारी की टीम में सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में पीतांबर लोकवानी, अरविंद गौड़ और राजीव अग्रवाल गुड्डू शामिल हैं।

अधिसूचना जारी करते हुए श्री विजयवर्गीय ने बताया कि चुनाव में 3450 सदस्य 53 समूह के 150 कार्यकारिणी सदस्य और 6 पदाधिकारियों के लिए मतदान करेंगे। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि 3450 में से 1278 सदस्य ऐसे हैं जिन पर चेम्बर का सदस्यता शुल्क बकाया है। इन सदस्यों द्वारा समय पर सदस्यता शुल्क जमा नहीं किए जाने पर यह अपने मत का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

11 सदस्यों की समिति बनाई

श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इस चुनाव में आचार संहिता का पूरा पालन किया जाएगा। इसके लिए 11 सदस्यों की एक समिति भी बना दी गई है। जिसमें दोनों हाउसों के लोगों को शामिल किया गया है। शिकायत आने पर समिति जांच करेगी और उसके बाद ही संबंधित व्यक्ति के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

आचार संहिता के नियम

- निर्वाचन के दौरान सभी प्रकार के पोस्टर, बैनर, होर्डिंग आदि प्रतिबंधित रहेंगे।
- विज्ञापन देने और पेड न्यूज पर प्रतिबंध रहेगा।
- मतदाताओं को प्रलोभन दिए जाने वाली चीजों पर प्रतिबंध रहेगा।

निर्वाचन कार्यक्रम

- पदाभिलाषियों द्वारा संस्था की अवशेष राशि जमा करने की अंतिम तिथि 23 जून शाम 5 बजे तक।
- नियोजन पत्र प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि 27 जून प्रातः 11 से शाम 5 बजे तक।
- नियोजन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 28 जून प्रातः 11 से शाम 5 बजे तक।
- नियोजन पत्रों की जांच 29 जून।
- जांच उपरांत सूची चस्पा करने की तिथि 1 जुलाई।
- नाम वापिसी की प्रारंभ तिथि 2 जुलाई।
- नाम वापिसी की अंतिम तिथि 3 जुलाई।
- अंतिम सूची जारी करने के तिथि 4 जुलाई।
- सदस्य मतदाताओं द्वारा चेम्बर की बकाया राशि जमा करने की अंतिम तिथि 7 जुलाई।
- मतदान 17 जुलाई को प्रातः 8 से शाम 5 बजे तक।
- मतगणना मतदान समाप्ति के पश्चात होगा।

जयारोग्य अस्पताल : सहायक अधीक्षक से ही पार्किंग में की अवैध वसूली

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जयारोग्य अस्पताल परिसर में पार्किंग शुल्क को लेकर विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। इस बार मामला अस्पताल के ही एक वरिष्ठ अधिकारी से कथित रूप से अधिक राशि वसूलने का सामने आया है, जिसने पार्किंग व्यवस्था की पारदर्शिता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार जयारोग्य के सहायक अधीक्षक डॉ. एम.एल. माहौर सोमवार को माधव डिस्पेंसरी गेट से अपने वाहन के साथ अस्पताल परिसर में प्रवेश कर रहे थे। इसी दौरान पार्किंग संचालन से जुड़े कर्मचारियों ने उन्हें रोककर पार्किंग शुल्क के रूप में 50 रुपए जमा कराने को कहा। जबकि संबंधित पार्किंग अनुबंध के तहत

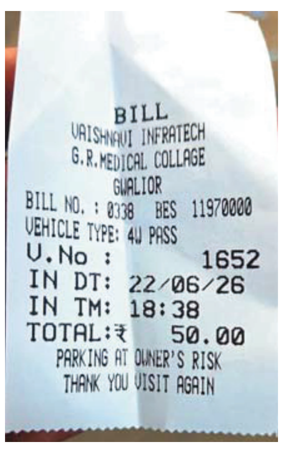

BILL
VAISHNAVI INFRATECH
G.R.MEDICAL COLLAGE
GWALIOR
BILL NO. : 0338 BES 11970000
VEHICLE TYPE: 4W PASS
V.No : 1652
IN DT: 22/06/26
IN TM: 18:38
TOTAL:₹ 50.00
PARKING AT OWNER'S RISK
THANK YOU VISIT AGAIN

उक्त वाहन के लिए निर्धारित शुल्क 20 रुपए है।

घटना के दौरान डॉ. माहौर ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। साथ ही उन्होंने भुगतान की रसीद भी प्राप्त की, जिससे मामले से जुड़े प्रमाण सुरक्षित हो गए हैं।

इस घटनाक्रम ने अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की परेशानियों को भी उजागर किया है। जब अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारी से ही निर्धारित शुल्क से अधिक राशि ली जा सकती है, तो आम नागरिकों से होने वाली वसूली का अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

गौरतलब है कि जयारोग्य में पार्किंग शुल्क को लेकर पहले भी कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं। मरीजों और उनके परिजनों ने समय-समय पर तय दर से अधिक शुल्क वसूले जाने की बात कही है। इसके बावजूद ऐसी शिकायतों का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा।

पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा, 28 जून को पिलाई जाएगी दवा

ग्वालियर। 28 जून को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पल्स पोलियो टास्क फोर्स की बैठक अपर कलेक्टर कुमार सत्यम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिले का कोई भी 0 से 5 वर्ष का बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सागर ने बताया कि 28 जून को सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। अभियान के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तर पर सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर ली गई है तथा एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को बच्चों की नामवार सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जो बच्चे 28 जून को खुराक नहीं ले पाएंगे, उन्हें 29 और 30 जून को दवा पिलाई जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मु रवाना, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दी विदाई

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मध्यप्रदेश प्रवास पूर्ण करने के बाद रविवार सुबह ग्वालियर से दिल्ली रवाना हुईं। राष्ट्रपति कूनो राष्ट्रीय उद्यान, श्योपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा सुबह 9.15 बजे वायुसेना के महाराजपुरा विमानतल पहुंचीं। उनके साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी मौजूद थे। महाराजपुरा विमानतल पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु सुबह 10.35 बजे वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हुईं।

इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह तथा महापौर शोभा सिकरवार ने उन्हें विदाई दी। विमानतल पर अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, डीजी होमगार्ड प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव, संभागायुक्त मनोज खत्री, आईजी अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी असित यादव, जिलाधीश रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित प्रशासन और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसून से पहले निगम की कार्रवाई

नाले से हटाया 200 मीटर लंबा अतिक्रमण

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मानसून को देखते हुए नगर निगम ने नालों की सफाई और अतिक्रमण हटाने का अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में जोन-3 के वार्ड-8 स्थित चार शहर का नाका से मरघट चौराहा तक फैले मुख्य नाले पर बड़ी कार्रवाई की गई।

नगर निगम के स्वास्थ्य अमले ने नाले के ऊपर और किनारों पर किए गए लगभग 200 मीटर लंबे अवैध अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान रैंप, चबूतरे और अन्य पक्के निर्माणों को ध्वस्त किया गया। ये अतिक्रमण नाले की सफाई और वर्षा जल की निकासी में बाधा बन रहे थे, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की आशंका बढ़ रही थी।

डीआर और धारा 49(6) समाप्त करने के लिए पेंशनर्स ने बनाई मानव श्रृंखला

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ मध्य प्रदेश एवं पेंशनर्स एसोसिएशन 'एक मंच-एक आवाज' मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न सहयोगी संगठनों के साथ पेंशनर्स ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को वीरांगना झलकारी बाई पार्क, आकाशवाणी तिराहा पर मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर पेंशनर्स ने सरकार द्वारा लगातार उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें समय पर महंगाई राहत (डीआर) का लाभ नहीं दिया जा रहा है। जनवरी 2026 से केंद्र सरकार के समान दो प्रतिशत डीआर अभी तक लंबित है। साथ ही राज्य सरकार द्वारा पेंशनर्स का 88 माह का डीआर रोका जा चुका है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पेंशनर्स को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, आयकर से छूट, रेल, हवाई एवं बस यात्रा में 50 प्रतिशत रियायत तथा छठवें एवं सातवें वेतनमान के 32 एवं 27 माह के लंबित एरियर का शीघ्र भुगतान किए जाने की मांग भी उठाई गई। इस मौके पर गीता भारद्वाज, गोविंद सिंह कुशवाह, बीपी गणक, नंदकिशोर गोस्वामी, आरएस तरेटिया, आरपी कोरी आदि उपस्थित रहे।

मरीजों के भोजन की गुणवत्ता परखी, सीएमएचओ ने खुद चखकर की सराहना

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सागर ने सोमवार को सिविल अस्पताल हजीरा और बिरला नगर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और चिकित्सकों व स्टाफ से बेहतर सेवाओं को लेकर चर्चा की।

सिविल अस्पताल हजीरा में डॉ. सागर ने अल्ट्रासाउंड यूनिट, पैथोलॉजी, नेत्र चिकित्सा इकाई, आईसीयू, स्टोर, टीकाकरण एवं दवा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान मरीजों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने स्वयं भोजन चखकर उसकी गुणवत्ता की जांच की और भोजन व्यवस्था की सराहना की।

इसके बाद उन्होंने सिविल अस्पताल बिरला नगर का निरीक्षण किया, जहां एनबीएसयू, ऑपरेशन थिएटर, मैटरनिटी विंग और ओपीडी की व्यवस्थाएं देखीं। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. जे.के. मसोरिया ने अतिरिक्त स्टाफ की मांग रखी, जिस पर सीएमएचओ ने उपलब्धता के अनुसार सहयोग का आश्वासन दिया।

डॉ. सागर ने दोनों अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. प्रशांत नायक, डॉ. जे.के. मसोरिया तथा समस्त चिकित्सकीय एवं नर्सिंग स्टाफ की कार्यशैली की प्रशंसा की।

10 दिनों तक बच्चों ने सीखे नैतिक मूल्य और कौशल विधाएं

ग्वालियर, न.सं.। भारत विकास परिषद वीर सावरकर शाखा एवं आस्था महिला मंडल (गायत्री परिवार) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दस दिवसीय बाल किशोर संस्कार एवं महिला उन्नयन शिविर का समापन समारोह गायत्री शक्तिपीठ में संपन्न हुआ। जिसमें 10 दिनों तक बच्चों ने नैतिक मूल्य और कौशल विधाएं सींखी। अध्यक्षता डीबी राय श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आरके चोपड़ा एवं रमेश सिंह कुशवाह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे संस्कार शिविर बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, देशभक्ति गीत, नृत्य, योग प्रदर्शन एवं अन्य प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। इस मौके पर बच्चों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिए गए।

रेड डॉट अभियान का शुभारंभ, 100 सफाई मित्रों का हुआ सम्मान

ग्वालियर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से नगर निगम, अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद एवं महिला परिषद ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में बाल भवन में रेड डॉट अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई मित्रों के योगदान को सम्मान देना और महिलाओं को स्वच्छ कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। अभियान के तहत महिलाओं से अपील की गई कि वे घरों से निकलने वाले सेनेटरी नैपकिन और डायपर जैसे अपशिष्ट को खुले में न फेंकें, बल्कि उन्हें कागज में लपेटकर उस पर लाल बिंदु (रेड डॉट) लगाकर कचरे में डालें। इससे सफाई मित्रों को कचरा संग्रहण और निस्तारण के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचाया जा सकेगा। कार्यक्रम में वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से सफाई मित्रों को जागरूक किया गया तथा उनके उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान में 100 सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, उपायुक्त मुकेश बंसल, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, समाजसेविका अंजली बत्रा सहित महिला परिषद की अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नियमितीकरण, नर्सिंग संवर्ग में वापसी और वेतन विसंगति दूर करने की मांग

रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

प्रदेशभर की एएनएम कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सोमवार को प्रदर्शन किया। संयुक्त एएनएम एसोसिएशन (संविदा-नियमित कर्मचारी संघ) की प्रदेश अध्यक्ष विमलेश शर्मा के नेतृत्व में एएनएम कार्यकर्ताओं ने निर्धारित ड्रेस में न्यू हाईकोर्ट से कलेक्ट्रेट तक पैदल रैली निकाली और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम नरेश गुप्ता को सौंपा। तेज धूप के बीच बड़ी संख्या में शामिल एएनएम कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करती हुई कलेक्ट्रेट पहुंचीं।

रैली के दौरान कई मार्गों पर यातायात प्रभावित रहा और जाम जैसी स्थिति भी देखने को मिली।

ज्ञापन में एएनएम संवर्ग ने कहा कि वर्ष 1950 से कार्यरत एएनएम स्वास्थ्य विभाग का सबसे पुराना कैडर है, जिसे विभाग की रीढ़ माना जाता है। गर्भवती महिलाओं की देखभाल, प्रसव पूर्व जांच, शिशु टीकाकरण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन में एएनएम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके बावजूद वर्ष 2016 में एएनएम संवर्ग को नर्सिंग कैडर से अलग कर दिया गया, जिससे कर्मचारियों में असंतोष है। ज्ञापन में मांग की गई है कि वर्ष 2016 में जारी उस आदेश को निरस्त किया जाए, जिसके तहत एएनएम संवर्ग को नर्सिंग कैडर से अलग किया गया था।

विमलेश शर्मा ने कहा कि एएनएम संवर्ग लंबे समय से पदोन्नति और वेतन संबंधी समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण और नारी सम्मान की योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी निभाने वाली एएनएम के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

श्रीलंका में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे बैडमिंटन प्रशिक्षक हिमांशु

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

नगर निगम के एकलव्य खेल परिसर के बैडमिंटन प्रशिक्षक हिमांशु चौधरी का चयन श्रीलंका बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीलोन मास्टर्स इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 25 से 29 जून तक कोलंबो में आयोजित होगी, जहां वे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। हिमांशु चौधरी राष्ट्रीय और अखिल भारतीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि से एकलव्य खेल परिसर, नगर निगम और पूरे ग्वालियर शहर में उत्साह का माहौल है। प्रतियोगिता में वे 35 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की पुरुष एकल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा पुरुष युगल में हिमाचल प्रदेश के भूपिन शर्मा तथा मिश्रित युगल में महाराष्ट्र की तेजस्वी के साथ अपनी चुनौती पेश करेंगे। हिमांशु सोमवार को दिल्ली से श्रीलंका के लिए रवाना होंगे। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, खेल विभाग के नोडल अधिकारी और खिलाड़ियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

सौर ऊर्जा: भौतिकी का एक उपहार

सौर ऊर्जा प्रकृति द्वारा मानवता को दिया गया एक अनमोल उपहार है। यह ऊर्जा सूर्य से प्राप्त होती है और इसे स्वच्छ, नवीकरणीय तथा पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। आज के समय में जब ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है, सौर ऊर्जा एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभर रही है।

सौर ऊर्जा और भौतिकी

सौर ऊर्जा का आधार भौतिकी के सिद्धांतों पर आधारित है। सूर्य से आने वाला प्रकाश जब सोलर पैनल पर पड़ता है, तो उसमें लगे फ़ोटोवोल्टिक सेल उसे सीधे विद्युत ऊर्जा में बदल देते हैं। यह प्रक्रिया प्रकाश-विद्युत प्रभाव पर आधारित होती है। इस वैज्ञानिक खोज ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और हमें स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने का सरल माध्यम प्रदान किया है।

सौर ऊर्जा के लाभ

सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित होती है और पर्यावरण को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचाती। यह एक अक्षय ऊर्जा स्रोत है, अर्थात यह कभी समाप्त नहीं होती। इसके उपयोग से जीवाश्म ईंधनों जैसे कोयला और पेट्रोलियम पर निर्भरता कम होती है। साथ ही, यह बिजली के खर्च को भी कम करने में मदद करती है। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के लिए यह ऊर्जा विशेष रूप से उपयोगी है।

सौर ऊर्जा के प्रमुख उपयोग

सौर ऊर्जा का उपयोग आज विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है

1 सोलर पैनलों की मदद से घरों, ऑफिस और उद्योगों में बिजली प्राप्त की जाती है।

2 सोलर वॉटर हीटर के माध्यम से पानी गर्म किया जाता है, जिससे बिजली की बचत होती है।

3 सोलर कुकर और सोलर ओवन के द्वारा बिना गैस या लकड़ी के खाना पकाया जाता है।

4 किसान सोलर पंप की सहायता से खेतों की सिंचाई करते हैं।

5 सोलर स्ट्रीट लाइटें रात में सड़कों और चौराहों को रोशन करती हैं।

6 मोबाइल, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सौर ऊर्जा से चार्ज किए जाते हैं।

7 अनाज, फल और सब्जियों को सोलर ड्रायर से सुखाया जाता है।

8 समुद्री जल को सूर्य की गर्मी से वाष्पित कर नमक बनाया जाता है।

भविष्य में सौर ऊर्जा का महत्व

भविष्य में सौर ऊर्जा सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा स्रोतों में से एक होगी। बढ़ती जनसंख्या और ऊर्जा की मांग को देखते हुए स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की आवश्यकता और अधिक बढ़ेगी। सौर ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती और यह पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आने वाले समय में इसका उपयोग घरों, उद्योगों और वाहनों में और अधिक बढ़ेगा।

विनोद कुमार नामदेव
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी
गोविंदगंज, दमोह नाका, जबलपुर

बोर्ड एग्जाम: भौतिकी में छोटी गलतियाँ, बड़े अंकों का नुकसान

भौतिकी, ऐसा विषय है, जिसमें केवल सूत्र याद कर लेना या प्रश्न हल कर लेना ही सफलता की गारंटी नहीं होता। इस विषय में सही अवधारणा, सटीक गणना, उचित प्रस्तुति और समय प्रबंधन, चारों का संतुलन आवश्यक है। अक्सर विद्यार्थी विषय की अच्छी तैयारी करने के बावजूद परीक्षा के दौरान कुछ सामान्य गलतियाँ कर बैठते हैं, जिनके कारण उनके अंक कम हो जाते हैं। यदि इन छोटी-छोटी चूकों से बचा जाए, तो बिना अतिरिक्त मेहनत के भी बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। आइए जानते हैं वे प्रमुख गलतियाँ, जिन पर हर विद्यार्थी को विशेष ध्यान देना चाहिए।

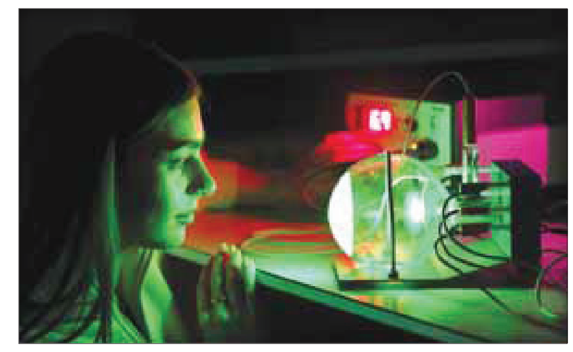

प्रश्न को जल्दबाज़ी में पढ़ना

परीक्षा में छात्र प्रश्न को पूरा पढ़े बिना ही उत्तर लिखना शुरू कर देते हैं, जबकि कई प्रश्नों में व्याख्या कीजिए, कारण बताइए, सिद्ध कीजिए, गणना कीजिए जैसे निर्देश दिए होते हैं। यदि प्रश्न की मांग के अनुसार उत्तर नहीं लिखा गया, तो सही जानकारी होने के बावजूद पूरे अंक नहीं मिलते। इसलिए हर प्रश्न को कम से कम दो बार ध्यान से पढ़ें और समझें कि वास्तव में पूछा क्या गया है।

गलत सूत्र या सिद्धांत का चयन

भौतिकी में अधिकांश न्यूमेरिकल सही सूत्र पर आधारित होते हैं। कई बार विद्यार्थी एक जैसे दिखने वाले सूत्रों में भ्रमित हो जाते हैं और गलत सूत्र का उपयोग कर देते हैं। परिणामस्वरूप पूरा उत्तर गलत हो जाता है। परीक्षा से पहले सभी महत्वपूर्ण सूत्रों की नियमित पुनरावृत्ति करें और यह भी समझें कि कौन-सा सूत्र किस परिस्थिति में लागू होता है।

मात्रक और चिन्हों की अनदेखी

भौतिकी में केवल सही संख्या लिख देना पर्याप्त नहीं होता। यदि उत्तर के साथ सही एसआई यूनिट नहीं लिखी गई या धनात्मक-ऋणात्मक चिन्हों का सही प्रयोग नहीं किया गया, तो अंक कट सकते हैं। उत्तर लिखने के बाद एक बार अवश्य जाँचें कि उसकी इकाई सही है या नहीं।

न्यूमेरिकल में सभी स्टेप न दिखाना

कुछ विद्यार्थी सीधे अंतिम उत्तर लिख देते हैं। जबकि बोर्ड परीक्षाओं में स्टेप मार्किंग का प्रावधान होता है। यदि अंतिम उत्तर गलत भी हो जाए, लेकिन बीच के चरण सही हों, तो आंशिक अंक मिल सकते हैं। इसलिए दिए गए मान, प्रयुक्त सूत्र, गणना और अंतिम उत्तर को क्रमबद्ध तरीके से लिखने की आदत विकसित करें।

चित्र और ग्राफ को नज़रअंदाज़ करना

भौतिकी के कई प्रश्नों में साफ़ और लेबलयुक्त चित्र या ग्राफ उत्तर को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यदि प्रश्न में चित्र अपेक्षित है और छात्र उसे नहीं बनाता, तो उत्तर अधूरा माना जा सकता है। चित्र हमेशा पेंसिल से साफ़-सुथरा और सही लेबल के साथ बनाएं।

अंतिम जाँच किए बिना उत्तर पुस्तिका जमा कर देना

परीक्षा समाप्त होते ही कई विद्यार्थी जल्दबाज़ी में उत्तर पुस्तिका जमा कर देते हैं। जबकि अंतिम 5 से 10 मिनट में उत्तरों की समीक्षा करने से गणना की त्रुटियाँ, छूटे हुए प्रश्न, गलत इकाइयाँ या लिखने की छोटी गलतियाँ सुधारी जा सकती हैं। यही कुछ मिनट कई अतिरिक्त अंक दिला सकते हैं।

भौतिकी पहेलियां

1. मैं दिखाई नहीं देता, लेकिन मेरे बिना कोई भी वस्तु ज़मीन पर टिक नहीं सकती। मैं कौन हूँ?
उत्तर - गुरुत्वाकर्षण बल

2. मैं बिना पैरों के दौड़ता हूँ, बिना पंखों के उड़ता हूँ और पूरे ब्रह्मांड में सबसे तेज हूँ। मैं कौन हूँ?
उत्तर - प्रकाश

3. मैं जितना अधिक खींचा जाता हूँ, उतनी ही अधिक ऊर्जा अपने भीतर जमा कर लेता हूँ। मैं कौन हूँ?
उत्तर - स्प्रिंग

4. मैं दिखाई नहीं देता, लेकिन लोहे को अपनी ओर खींच लेता हूँ। मैं कौन हूँ?
उत्तर - चुंबकीय बल

5. मैं हमेशा सीधी रेखा में चलता हूँ, लेकिन दर्पण से टकराकर अपना रास्ता बदल लेता हूँ। मैं कौन हूँ?
उत्तर - प्रकाश की किरण

6. मैं हवा में सुनाई देता हूँ, पानी में भी चलता हूँ, लेकिन अंतरिक्ष में मेरा अस्तित्व नहीं होता। मैं कौन हूँ?
उत्तर - ध्वनि

सात रंगों का जादू नहीं, विज्ञान है इंद्रधनुष

बारिश के बाद आसमान में दिखाई देने वाला इंद्रधनुष प्रकृति का एक सुंदर वैज्ञानिक चमत्कार है। यह तब बनता है जब सूर्य का प्रकाश बारिश की छोटी-छोटी बूंदों से होकर गुजरता है। जब सूर्य की सफेद रोशनी पानी की बूंद में प्रवेश करती है, तो तीन प्रक्रियाएँ होती हैं- अपवर्तन (रिफ्लेकश्न) प्रकाश बूंद में प्रवेश करते समय मुड़ जाता है। आंतरिक परावर्तन (इंटरनल रफ्लेक्षन) बूंद के अंदर प्रकाश टकराकर वापस परावर्तित होता है। पुन: अपवर्तन बूंद से बाहर निकलते समय प्रकाश फिर मुड़ता है और अपने अलग-अलग रंगों में बिखर जाता है।

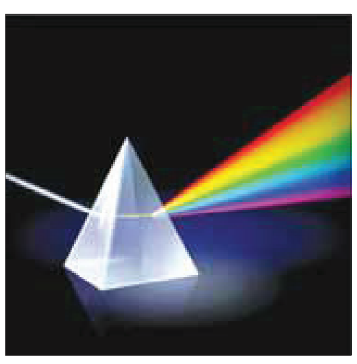

इसी प्रक्रिया के कारण सफेद प्रकाश सात रंगों में विभाजित हो जाता है।

इंद्रधनुष केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रकाश के अपवर्तन, परावर्तन और रंगों के विकिरण का अद्भुत उदाहरण भी है। यही कारण है कि यह भौतिक विज्ञान के सबसे रोचक विषयों में से एक माना जाता है।

इंद्रधनुष के सात रंग- इंद्रधनुष में हमेशा यही सात रंग दिखाई देते हैं। लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, जामुनी (इंडिगो), बैंगनी

बारिश के बाद ही क्यों दिखता है- बारिश के बाद हवा में असंख्य पानी की बूंदें तैरती रहती हैं। जब सूर्य निकल आता है और उसकी किरणें इन बूंदों पर पड़ती हैं, तब प्रत्येक बूंद एक छोटे प्रिज़्म की तरह काम करती है। लाखों बूंदों से निकलने वाली रंगीन किरणें मिलकर इंद्रधनुष का सुंदर दृश्य बनाती हैं।

फिजिक्स फैक्ट

- सूर्य की रोशनी को पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग 8 मिनट 20 सेकंड लगते हैं। यानि हम जो सूर्य देखते हैं, वह वास्तव में 8 मिनट पहले का दृश्य होता है।
- चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी का लगभग 1 बटें 6 है। यदि पृथ्वी पर आपका वजन 60 किलोग्राम है, तो चंद्रमा पर वह लगभग 10 किलोग्राम के बराबर महसूस होगा।
- बिजली हमेशा हवा में सबसे कम प्रतिरोध वाले रास्ते से गुजरती है, इसलिए उसकी चमक सीधी नहीं बल्कि ज़िगज़ैग दिखाई देती है।
- हीरा बिजली का खराब चालक, लेकिन ऊष्मा का बेहतरीन चालक है। इसी कारण कुछ वैज्ञानिक उपकरणों में हीरे का उपयोग किया जाता है।
- यदि पृथ्वी घूमना बंद कर दे तो हवा, समुद्र और वातावरण अपनी गति के कारण आगे बढ़ते रहेंगे, जिससे भीषण प्राकृतिक आपदाएँ आ सकती हैं।
- प्रकाश का कोई द्रव्यमान नहीं होता, फिर भी उसमें ऊर्जा होती है, इसलिए वह सौर पैनलों में बिजली उत्पन्न कर सकता है।
- अधिकांश पदार्थ ठोस होने पर डूब जाते हैं, लेकिन पानी जमने पर फैलता है और उसका घनत्व कम हो जाता है। इसलिए बर्फ पानी की सतह पर तैरती है।
- प्रेशर कुकर में खाना जल्दी पकता है क्योंकि अधिक दाब के कारण पानी का क्वथनांक बॉयलिंग प्वाइंट बढ़ जाता है, जिससे भोजन जल्दी पक जाता है।
- रॉकेट न्यूटन के तीसरे नियम के सिद्धांत पर काम करता है। रॉकेट को उड़ने के लिए हवा की जरूरत नहीं होती, इसलिए वह अंतरिक्ष के निर्वात में भी उड़ सकता है।
- मानव शरीर भी बिजली पैदा करता है। हमारे मस्तिष्क और तंत्रिकाओं में संदेश सूक्ष्म विद्युत संकेतों के रूप में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते हैं।

डिजिटल फास्टिंग: आधुनिक जीवन की आवश्यकता

वर्तमान समय को डिजिटल युग कहा जाता है। आज मोबाइल फोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम्स और विभिन्न डिजिटल उपकरण हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। शिक्षा, व्यापार, मनोरंजन, संचार और बैंकिंग जैसे लगभग सभी कार्य डिजिटल माध्यमों से किए जा रहे हैं। तकनीक ने जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके अत्यधिक उपयोग ने कई नई समस्याओं को भी जन्म दिया है। इन समस्याओं से बचने और जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए 'डिजिटल फास्टिंग' एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में उभरकर सामने आई है।

डिजिटल फास्टिंग का अर्थ है एक निश्चित समय के लिए मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, इंटरनेट, वीडियो गेम्स तथा अन्य डिजिटल उपकरणों के उपयोग से दूरी बनाना। यह ठीक उसी प्रकार है जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए उपवास किया जाता है। डिजिटल फास्टिंग का उद्देश्य तकनीक का त्याग करना नहीं, बल्कि उसके उपयोग को नियंत्रित और संतुलित बनाना है। आज अधिकांश लोग दिन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन के सामने बिताते हैं। सुबह उठते ही मोबाइल देखना और रात को सोने से पहले तक सोशल मीडिया का उपयोग करना एक सामान्य आदत बन गई है। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों में दर्द, सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, चिंता तथा एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बच्चों और युवाओं पर इसका प्रभाव और भी अधिक पड़ता है, क्योंकि अत्यधिक स्क्रीन समय उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर सकता है।

डिजिटल फास्टिंग के अनेक लाभ हैं। यह मानसिक शांति प्रदान करती है। जब व्यक्ति कुछ समय के लि ए मोबाइल और इंटरनेट से दूर रहता है, तो उसका मन शांत और तनावमुक्त महसूस करता है। इससे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है तथा कार्यों में उत्पादकता आती है। डिजिटल फास्टिंग पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। आज कई लोग अपने परि वार और मित्रों के साथ समय बिताने के बजाय मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय व्यतीत करते हैं। डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाकर लोग अपने प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं, जिससे आपसी संबंधों में मधुरता और समझ बढ़ती है।

डिजिटल फास्टिंग शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव पड़ता है तथा शरीर की गतिविधियां कम हो जाती हैं।

डिजिटल फास्टिंग के दौरान व्यक्ति खेलकूद, योग, व्यायाम, ध्यान और अन्य रचनात्मक गति विधियों में भाग ले सकता है। इससे शारीरि क स्वास्थ्य बेहतर होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

यह उपाय अपनाएं

डिजिटल फास्टिंग को अपनाने के लिए कुछ सरल उपाय किए जा सकते हैं। भोजन के समय मोबाइल का उपयोग न करना, सोने से एक घंटा पहले स्क्रीन बंद कर देना, अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करना तथा प्रतिदिन कुछ समय डिजिटल उपकरणों से पूरी तरह दूर रहना अच्छे कदम हैं। सप्ताह में एक दिन 'डिजिटल डिटॉक्स डे' के रूप में मनाना भी उपयोगी हो सकता है।

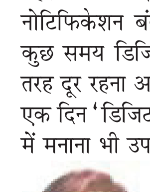

माधुरी शुक्ला
प्राचार्य
बीएमडी
हितकारिणी कन्या उमा शाला
दीक्षितपुरा, जबलपुर

आसमान से भी ऊँचे सपने, कैसे नेहरू जी की दूरदृष्टि ने भारत को इसरो तक पहुँचाया

आज जब भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बन चुका है, मंगल ग्रह तक अपना अंतरिक्ष यान भेज चुका है और दुनिया के लिए सस्ते व विश्वसनीय उपग्रह प्रक्षेपण का केंद्र बन रहा है, तब हर भारतीय के मन में एक सवाल जरूर उठता है, आखिर इस शानदार सफर की शुरुआत कहाँ से हुई?

इस सफलता की कहानी केवल रॉकेट, उपग्रह और वैज्ञानिकों की नहीं, बल्कि एक ऐसे सपने की भी है, जिसे स्वतंत्र भारत के शुरुआती वर्षों में देखा गया था। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का मानना था कि यदि भारत को विश्व में सम्मानजनक स्थान दिलाना है, तो विज्ञान और प्रौद्योगिकी को राष्ट्र निर्माण का सबसे मजबूत आधार बनाना होगा। यही कारण था कि उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान को सरकारी नीतियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया और देश में वैज्ञानिक सोच विकसित करने पर विशेष बल दिया।

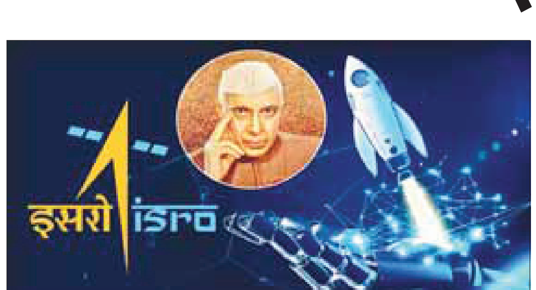

विज्ञान को बनाया विकास का आधार

स्वतंत्रता के समय भारत संसाधनों और तकनीक के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रहा था। ऐसे समय में नेहरू जी ने केवल वर्तमान की समस्याओं पर नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं पर भी ध्यान दिया। उन्होंने देशभर में वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उच्च शिक्षा केंद्रों की स्थापना को प्रोत्साहन दिया। उनका विश्वास था कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसका लाभ किसानों, विद्यार्थियों, उद्योगों और आम नागरिकों तक पहुँचना चाहिए।

और शुरू हुई अंतरिक्ष यात्रा

नेहरू जी की इसी वैज्ञानिक सोच ने युवा वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई जैसे प्रतिभाशाली लोगों को नई दिशा दी। डॉ. साराभाई का मानना था कि अंतरिक्ष विज्ञान केवल बड़े देशों की शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि विकासशील देशों के लिए भी परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। उनके सुझाव पर वर्ष 1962 में इंडियन नेशनल कमेटी फॉर स्पेस रिसर्च की स्थापना की गई। इस समिति को सरकार का पूरा समर्थन मिला और यहीं से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वास्तविक शुरुआत हुई। भारत के पहले रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र थुम्बा (केरल) में संसाधनों की भारी कमी थी। शुरुआती दिनों में रॉकेट के पुर्जे साइकिल और बैलगाड़ियों से ले जाए जाते थे, जबकि एक पुराने चर्च की इमारत को प्रयोगशाला और कार्यालय के रूप में उपयोग किया गया।

इसरो का जन्म और नई उड़ान

15 अगस्त 1969 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानि इसरो की स्थापना हुई। यद्यपि उस समय तक पंडित नेहरू का निधन हो चुका था, लेकिन उनकी वैज्ञानिक नीतियाँ और संस्थागत आधार ही इस संस्था की सबसे मजबूत नींव बने। डॉ. विक्रम साराभाई को इसरो का संस्थापक माना जाता है, जिन्होंने इस संस्था को ऐसी दिशा दी कि आज यह दुनिया की अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसियों में गिनी जाती है।

इसरो क्यों है हर भारतीय का गर्व

आज इसरो केवल रॉकेट लॉन्च करने वाली संस्था नहीं है। इसके उपग्रह मौसम की सटीक जानकारी देते हैं, किसानों की मदद करते हैं, आपदा प्रबंधन में सहयोग करते हैं, मोबाइल संचार, टीवी प्रसारण, इंटरनेट, नेविगेशन और शिक्षा जैसी अनेक सेवाओं को मजबूत बनाते हैं। चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य और गगनयान जैसे मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता का प्रमाण हैं।

जानिए क्या है मात्रक

किसी भौतिक राशि का मापन, एक निश्चित, आधारभूत, यादृच्छिक रूप से चुने गए मान्यताप्राप्त, संदर्भ-मानक से इस राशि की तुलना करना है। यह संदर्भ-मानक मात्रक कहलाता है। किसी भी भौतिक राशि की माप को मात्रक के आगे एक संख्या (आंकिक संख्या) लिखकर व्यक्त किया जाता है। यद्यपि मापी जाने वाली भौतिक राशियों की संख्या बड़ी है, फिर भी इन सबका व्यक्त करने के लिए मात्रकों की सीमित संख्या काफी होती है क्योंकि ये राशियाँ एक-दूसरे के साथ संबंधित हैं।

मात्रक का परिचय

किसी भी भौतिक राशि की माप करने के लिए जो संदर्भ-मानक हम उपयोग करते हैं, उसे मात्रक कहते हैं। उदाहरण के लिए, दूरी मापने के लिए मीटर, समय के लिए सेकंड, द्रव्यमान के लिए किलोग्राम आदि। मात्रक के आगे मापी गई राशि की संख्या लगाकर भौतिक राशि व्यक्त की जाती है जैसे 5 मीटर, 10 सेकंड आदि।

मूल मात्रक

मूल मात्रक वे मात्रक होते हैं जिन्हें अन्य किसी मात्रक से व्यक्त नहीं किया जा सकता बल्कि इन्हीं के आधार पर अन्य मात्रक बनाए जाते हैं। उदाहरण के लिए –

लंबाई के लिए मीटर (m)
द्रव्यमान के लिए किलोग्राम (kg)
समय के लिए सेकंड (s)
तापमान के लिए केल्विन (K)
विद्युत धारा के लिए एम्पियर (A)
पदार्थ की मात्रा के लिए मोल (mol)
प्रकाश की तीव्रता के लिए कैंडेला (cd)
व्युत्पन्न मात्रक (Derived Units)

वे मात्रक जो मूल मात्रकों के संयोजन (गुणा, भाग, घात आदि) द्वारा बनाए जाते हैं, व्युत्पन्न मात्रक कहलाते हैं।

यामाल और ओयारजाबाल के दम पर

स्पेन ने सऊदी अरब को रौंदा

एजेंसी, मैक्सिको

फीफा विश्व कप 2026 में स्पेन ने अपने दूसरे ग्रुप मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सऊदी अरब को 4-0 से हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। युवा स्टार लामिन यामाल और मिकेल ओयारजाबाल ने पहले हाफ में शानदार खेल दिखाते हुए सऊदी अरब की टीम को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। पहले मैच में केप वर्डे के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद स्पेन पर जीत का दबाव था। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और शुरुआती मिनटों में ही लामिन यामाल ने गोल कर स्पेन को बढ़त दिला दी। इसके बाद मिकेल ओयारजाबाल ने महज ढाई मिनट के भीतर लगातार दो गोल दागकर स्पेन की बढ़त 3-0 कर दी। पहले हाफ में ही मुकाबला लगभग स्पेन की पकड़ में आ गया। दूसरे हाफ में सऊदी अरब की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब डिफेंडर हसन अल-तंबकती से आत्मघाती गोल हो गया, जिससे स्पेन की बढ़त 4-0 हो गई। इसके बाद फेरान टोरेस ने भी गेंद को नेट में पहुंचाया, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण उनका गोल रद्द कर दिया गया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने पहले मैच में सीमित समय खेलने वाले यामाल को इस बार शुरुआती एकादश में मौका दिया और युवा खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन कर उनके फैसले को सही साबित किया। वहीं सऊदी अरब, जिसने पहले मैच में उरुग्वे को 1-1 की बराबरी पर रोका था, इस मुकाबले में स्पेन के तेज आक्रमण के सामने टिक नहीं सका। इस जीत के साथ स्पेन ने ग्रुप एच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हालांकि इस ग्रुप की चारों टीमें अभी भी अगले दौर की दौड़ में बनी हुई हैं और अंतिम लीग मुकाबलों के बाद ही क्वालीफाई करने वाली टीमों का फैसला होगा।

मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर दर्ज की विश्व कप इतिहास की पहली जीत

एजेंसी, वैंकूवर

स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिस्र ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रच दिया। ग्रुप-जी के मुकाबले में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी पहली जीत दर्ज की। मिस्र के लिए मोहम्मद सालाह और मुस्तफा ज़िको ने एक-एक गोल करने के साथ एक-एक गोल में सहयोग भी किया, जबकि तीसरा गोल ट्रेजेगेट ने किया। पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मिस्र ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ग्रुप-जी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की और 15वें मिनट में फिन सुरमैन ने कॉर्नर से मिले मौके को हेडर में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक न्यूजीलैंड 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में मिस्र ने आक्रामक खेल दिखाया। 58वें मिनट में मोहम्मद हानी के बेहतरीन क्रॉस पर मुस्तफा ज़िको ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 67वें मिनट में सालाह ने टूर्नामेंट का अपना पहला गोल दागते हुए मिस्र को बढ़त दिला दी। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 68वां गोल भी रहा। गोल के बाद सालाह ने दर्शकों की ओर मुट्ठी लहराकर जश्न मनाया और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया। 82वें मिनट में ट्रेजेगेट ने कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर मिस्र की जीत पक्की कर दी। यह विश्व कप में उनका पहला गोल रहा। मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने चार महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकॉम्ब ने भी चार सेव किए। इस जीत के बाद मिस्र ग्रुप में मजबूत स्थिति में पहुंच गया है और शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। वहीं न्यूजीलैंड, जो अब भी विश्व कप में अपनी पहली जीत की तलाश में है, उसी दिन बेल्जियम से भिड़ेगा। मैच के बाद सालाह ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस जीत को मिस्र के फुटबॉल इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा। उन्होंने मिस्री समर्थकों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे टीम अपने ही देश में खेल रही हो।

10 खिलाड़ियों के साथ ईरान ने बेल्जियम को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी, मैक्सिको

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी मुकाबले में रविवार को बेल्जियम को ईरान के खिलाफ निराशा हाथ लगी। पूरे मैच में दबदबा बनाने के बावजूद बेल्जियम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए ईरान की मजबूत रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सका और मुकाबला 0-0 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दक्षिणी कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में दर्शकों का बड़ा समर्थन बेल्जियम को मिला, लेकिन ईरान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अंक बांटने में सफलता हासिल की। ईरान के गोलकीपर अलीरेज़ा बेइरानवंद टीम के सबसे बड़े नायक साबित हुए। उन्होंने पूरे मैच में सात महत्वपूर्ण बचाव किए और बेल्जियम के लगातार हमलों को विफल कर दिया।

बेल्जियम ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन दूसरे हाफ में टीम को बड़ा झटका लगा जब डिफेंडर नाथन न्गोय को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने गोल की ओर बढ़ रहे ईरानी स्ट्राइकर मेहदी तारेमी को रोकने के प्रयास में फाउल किया था। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद बेल्जियम ने हमले जारी रखे, लेकिन ईरान की अनुशासित रक्षा के सामने उसे सफलता नहीं मिली। इस ड्रॉ के बाद ईरान के अब दो अंक हो गए हैं और टीम अगले मुकाबले में शुक्रवार को सिएटल में मिस्र से भिड़ेगी। वहीं बेल्जियम के भी दो अंक हैं और उसका अगला मैच वैंकूवर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा।

एशियन रिले चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीता

100 मीटर रिले में चीन को हराया, भारत ने कुल 3 पदक अपने नाम किए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने एशियन रिले चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को हराते हुए 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। इस चैंपियनशिप में भारत ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए हैं। टीम में श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना शामिल थीं। इस चौकड़ी ने रेस के दौरान सटीक बैटन एक्सचेंज और बेहतरीन फिनिशिंग स्पीड का प्रदर्शन किया।

तमन्ना और स्नेहा ने जीते दो-दो पदक

इस चैंपियनशिप में भारत के लिए तमन्ना और स्नेहा शानुवल्ली का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जिन्होंने दो-दो मेडल के साथ अपने अभियान को समाप्त किया। महिला 4x100 मीटर में गोल्ड जीतने से पहले, इन दोनों एथलीटों ने मिक्स्ड 4x100 मीटर रिले में भी देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। मिक्स्ड टीम में इनके साथ अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव शामिल थे, जिन्होंने 41.27 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया।

थाईलैंड ने ब्रॉन्ज जीता

भारत ने 43.85 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। इस रेस में चीन की टीम 44.09 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसने सिल्वर मेडल जीता। वहीं थाईलैंड ने 44.11 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

संजू बोले- धोनी क्रिकेट के फेडरर, कोहली अल्काराज जैसे

नई दिल्ली। विंबलडन 2026 से पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने क्रिकेट और टेनिस के प्लेयर्स के बीच तुलना की। उन्होंने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि अगर क्रिकेट में किसी खिलाड़ी की तुलना रोजर फेडरर से की जा सकती है तो वह पूर्व भारतीय कप्तान एम एस धोनी हैं। वहीं उन्होंने विराट कोहली की तुलना टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज से की। सैमसन ने 2025 में भारत की महिला टीम के वनडे वर्ल्ड कप खिताब को भी याद किया। उन्होंने कहा कि पूरा देश फाइनल देख रहा था और उस जीत ने भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी। सैमसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को लेकर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा, जब हम बड़े हो रहे थे तब लगभग हर वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया ही जीतता था। यही वजह है कि उनके लिए हमारे मन में काफी सम्मान है।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट 253 रन से जीता

सीरीज 1-1 से की बराबरी; मैट हेनरी ने 11 विकेट लिए

एजेंसी, ओवल

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रनों से हरा दिया। लंदन के ओवल मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले के पांचवें दिन 463 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में महज 209 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 11 विकेट चटकाए। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

पांचवें दिन महज एक घंटे में सिमटी इंग्लैंड की पारी

इंग्लैंड को जीत के लिए पांचवें दिन 281 रन की जरूरत थी, जबकि उसके पांच विकेट शेष थे। चौथे दिन का खेल 5 विकेट पर 182 रन के स्कोर पर समाप्त हुआ था। अंतिम दिन इंग्लैंड की पारी महज एक घंटे के भीतर सिमट गई। इंग्लैंड की आखिरी उम्मीद अंतरिम कप्तान जो रूट थे, जो चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। खेल शुरू होने के केवल आठ मिनट बाद मैट हेनरी की अंदर आती गेंद पर वे एलबीडब्ल्यू हो गए। रूट अपने स्कोर में सिर्फ दो रन और जोड़ सके और 77 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। रूट के आउट होते ही इंग्लैंड का निचला क्रम पूरी तरह बिखर गया। जोफ्रा आर्चर, मैट फिशर और जोश टंग खाता खोले बिना मैट हेनरी का शिकार बने। पदार्पण कर रहे जॉर्डन कॉक्स ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन उनकी पारी ज्यादा देर नहीं चली और वे हेनरी की गेंद पर बोल्ड हो गए।

हॉकी में भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली। भारतीय मेंस हॉकी टीम मंगलवार को एफआईएच प्रो लीग के लंदन लेग के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से खेलेगी। मुकाबला लंदन के ली वेली हॉकी सेंटर में भारतीय टाइमिंग के हिसाब से शाम 7 बजे शुरू होगा। दोनों टीमें करीब दो साल बाद आमने-सामने हो रही हैं। इनकी पिछली भिड़ंत 2024 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हुई थी। तब भारत ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 2 गोल की बदौलत 2-1 से जीत हासिल की थी। 9 टीमों के पॉइंट्स टेबल में भारतीय टीम 8वें स्थान पर मौजूद है। वहीं, पाकिस्तान की टीम भारत से ठीक एक पायदान नीचे 9वें स्थान पर है और उसे अभी टूर्नामेंट में अपना पहला पॉइंट्स हासिल करना बाकी है। टूर्नामेंट के होम लेग में भारत का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था, जहां टीम 4 मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी थी और कुल 19 गोल खाए थे। भारतीय टीम ने अपने रॉटरडैम में हुए पिछले लेग में 4 में से 2 मैच जीते थे। भारत ने वर्ल्ड नंबर-2 और तीन बार की चैंपियन नीदरलैंड को 3-2 से हराया। साथस ही भारतीय टीम ने जर्मनी के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की थी।

भोपाल लेपड्र्स को 8 विकेट से हराया

13 ओवर के मैच में रॉयल निमाड़ ईगल्स की धमाकेदार जीत

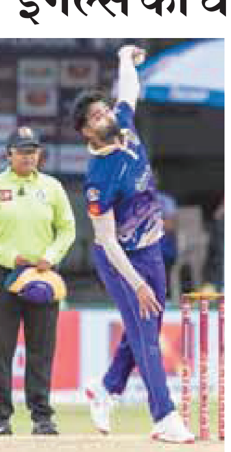

खेल संवाददाता, इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) 2026 में रॉयल निमाड़ ईगल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भोपाल लेपड्र्स को 8 विकेट से हरा दिया। होलकर स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला बारिश के कारण 13-13 ओवर का कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद रॉयल निमाड़ ईगल्स ने हर विभाग में अपना दबदबा बनाए रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भोपाल लेपड्र्स ने 13 ओवर में 107 रन बनाए। टीम की ओर से राहुल चंद्रोल ने सर्वाधिक 41 रन बनाए और पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। रॉयल निमाड़ ईगल्स की ओर से गेंदबाजी में कुमार कार्तिकेय ने घातक प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट झटके और पूरी पारी का रुख बदल दिया। उन्होंने मध्य ओवरों में लगातार विकेट लेकर भोपाल की बल्लेबाजी को पूरी तरह बिखेर दिया। परुष मंडल ने भी महत्वपूर्ण विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। 108 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल निमाड़ ईगल्स की शुरुआत आक्रामक रही। हिमांशु मंत्री ने 17 गेंदों पर 31 रन बनाए।

आयोजन प्रो बॉक्सिंग लीग का एंथम सांग और थीम टोन रिलीज़: शशिकांत मिश्र

6 जुलाई से दिल्ली में शुरू होगी प्रो बॉक्सिंग लीग खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी: डॉ. मिश्र

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाज़ी के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही प्रो बॉक्सिंग लीग का आयोजन 6 से 10 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। लीग के लिए खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो चुकी है, जिसमें चार फ्रेंचाइज़ी टीमों ने कुल 32 मुक्केबाज़ों का चयन किया है। खिलाड़ियों के चयन के दौरान कोमलप्रीत कौर सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली मुक्केबाज़ रहीं। उन्हें मध्य महायोद्धा टीम ने 28 लाख प्वाइंट्स के साथ अपने दल में शामिल किया। इस लीग में खिलाड़ियों की पारंपरिक नीलामी के बजाय उनके प्रदर्शन के आधार पर प्वाइंट सिस्टम के माध्यम से चयन किया गया।

चार टीमों में होंगे रोमांचक मुकाबले: राकेश ठाकरान

उन्होंने कहा कि लीग में चार टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें मुंबई मुक्केबाज़, ईस्टर्न योद्धा, मध्य महायोद्धा और पंजाब पिंड पहलवान शामिल हैं। प्रत्येक टीम में आठ खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिससे कुल 32 मुक्केबाज़ इस ऐतिहासिक लीग का हिस्सा बनेंगे। डॉ. राकेश मिश्र ने कहा, "प्रो बॉक्सिंग लीग भारतीय मुक्केबाज़ी के लिए एक नए युग की शुरुआत है। यह देश की पहली फ्रेंचाइज़ी आधारित प्रो बॉक्सिंग लीग है, जो खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा और पहचान प्रदान करेगी।" लीग के आयोजन से जुड़े साश्वत भारत के प्रमुख शशिकांत मिश्र ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल मुकाबलों का आयोजन करना नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की समग्र ग्रूमिंग और ब्रांड निर्माण भी है।

इनकी रही उपस्थिति

मध्यप्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग के अध्यक्ष एवं सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, श्री सुरेश चव्हाणके(सुदर्शन न्यूज), श्री राजकुमार जी(एक्शन बालाजी हास्पिटल), श्री मृणाल सैकिया(विधायक असम), सुशील कटियार, संजीव कुमार, डॉ पीयूष जैन(चेयरमैन पेफी), मोनू चौहान(नोयडा), मनोज जोशी, सीए विनोद गोयल, विवेकानंद जी, राजेश दुग्गल, मुकेश अग्रवाल (यूनिटी ग्रुप), सैम पवार जयपुर, डॉ. वेदप्रकाश टंडन, लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित सिंह (सेक्रेटरी दिल्ली गोल्फ क्लब), श्री मुकेश गुप्ता जी (चेयरमैन ग्राफिक्एड्स) चैतन्य अरोडा, जय प्रकाश जेपी सहित बड़ी संख्या में देश विदेश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

भोपाल के खिलाड़ियों का जलवा

39 पदकों के दम पर मध्यप्रदेश बना ओवरऑल कराते चैंपियन

खेल संवाददाता, भोपाल

युवा कल्याण एवं खेल विभाग तथा रेलवे इंस्टीट्यूट के सहयोग से आयोजित 34वीं सेंट्रल इंडिया कराते चैंपियनशिप में भोपाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश को ओवरऑल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। रेलवे इंस्टीट्यूट के बैडमिंटन हॉल में संपन्न हुई प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश ने कुल 39 पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। राजस्थान ने 27 पदक जीतकर उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि अन्य राज्यों की टीमें खिताबी दौड़ में पीछे रहीं और उन्हें सांत्वना पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पश्चिम मध्य रेलवे संस्थान, भोपाल के सचिव एवं कोषाध्यक्ष दीपक मालवीय रहे। कार्यक्रम में डीएसपी दिनेश जोशी, आयोजन समिति के अध्यक्ष जयचंद्र कनौजिया, संरक्षक साजन खान, प्रचार मंत्री सलीम खान, उपाध्यक्ष इकबाल अहमद सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

24 व 25 जून को नहीं चलेगी मेट्रो होगी सिग्नलिंग सिस्टम की जांच

सीएमआरएस टीम की ओके के बाद बढ़ेगी स्पीड व फेरे

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में 24 और 25 जून को मेट्रो का संचालन बंद रहेगा। इस दौरान कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) सिग्नलिंग सिस्टम की जांच करेगी। जिसके 'ओके' रिपोर्ट के बाद मेट्रो का नया शेड्यूल और टाइमिंग तय होगी। जुलाई में सिग्नलिंग सिस्टम चालू होने के बाद नया शेड्यूल जारी होगा। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, ऑरेंज लाइन पर सुभाषनगर से एम्स के बीच मेट्रो का दो दिन तक संचालन नहीं होगा। निरीक्षण के बाद 26 जून से मेट्रो निर्धारित समय पर दौड़ने लगेगी। दरअसल सुभाष नगर से एम्स के बीच करीब 7 किमी लंबे ट्रैक पर सिग्नलिंग सिस्टम का काम पूरा हो गया है। भोपाल और इंदौर मेट्रो में ऑरेंज-येलो लाइन के 2 रूट 30 किमी लंबे हैं। फिलहाल 12 किमी में ही मेट्रो दौड़ रही है।

सिस्टम नहीं होने से एक ही ट्रैक पर दौड़ रही

भोपाल और इंदौर में अभी सिग्नलिंग सिस्टम नहीं है। इस वजह से मेट्रो प्रबंधन को केवल एक ही ट्रैक (डाउन ट्रैक) पर ट्रेन चलानी पड़ रही हैं। यही वजह है कि भोपाल में ट्रेनों की फ्रिक्वेंसी 75 मिनट रखी गई है, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। यहां दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बाद ही मेट्रो दौड़ रही है।

जिस ट्रैक पर दौड़ती, उसी पर वापसी: सुभाष नगर से एम्स के बीच डाउन ट्रैक पर ही ट्रेन दोनों दिशाओं में चलाई जा रही हैं। यानी जो जा रही है, वह उसी ट्रैक पर लौट रही है। जबकि अप ट्रैक (एम्स से सुभाष नगर) पर ट्रेन नहीं दौड़ती। नए सिस्टम के बाद दोनों तरफ से ट्रेन चलेगी।

मेट्रो की सिग्नलिंग सिस्टम से बढ़ेगी रफ्तार

सिग्नलिंग सिस्टम किसी भी मेट्रो नेटवर्क का सबसे अहम हिस्सा होता है। यही तय करता है कि ट्रेन कितनी दूरी पर चलेगी। ट्रेन की अधिकतम और न्यूनतम गति नियंत्रित करता है। ट्रेनों के बीच सुरक्षित गैप बनाए रखता है। ऑटोमेटेड ऑपरेशन और इमरजेंसी कंट्रोल संभालता है। सिस्टम के बिना मल्टी-ट्रैक ऑपरेशन संभव नहीं होता, जिससे पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं हो पाता। भोपाल मेट्रो में वही आधुनिक सिग्नलिंग तकनीक लागू की जा रही है, जो दिल्ली मेट्रो में इस्तेमाल होती है। इस तकनीक के लागू होने के बाद ट्रेन दोनों ट्रैक पर चल सकेंगी। ट्रेनों के बीच का अंतर (हेडवे) कम होगा और फ्रिक्वेंसी तेजी से बढ़ाई जा सकेगी। नए सिस्टम के शुरू होने के बाद मेट्रो दोनों ओर से चलेगी। इससे 75 मिनट की टाइमिंग कम होगी। इससे लोगों को आसानी से मेट्रो मिल सकेगी। फेरे भी बढ़ जाएंगे। ऐसे में सुबह और शाम को ऑफिस टाइमिंग पर भी मेट्रो मिल सकेगी।

लूट के खिलाड़ी : स्पोर्ट्स बाइक पर करते थे लूटने की वारदातें, पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

- दो स्पोर्ट्स बाइक पर सवार होकर निकलते थे, पीछे वाली बाइक बेकअप के लिए तैयार रहती थी
- कम समय में अधिक पैसा कमाने व महंगे शौक पूरा करने कीं वारदातें
- लूट के लिए स्पोर्ट्स केटीएम बाइक फाइनेंस कराई फर्जी लगाते थे नंबर प्लेट

भोपाल (नगर संवाददाता)

अयोध्या नगर पुलिस ने स्पोर्ट्स बाइक पर सवार होकर मोबाइल झपटमारी और लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से कुल 22 मोबाइल एवं वारदात में इस्तेमाल दो स्पोर्ट्स बाइक व चोरी की दो बाइक समेत करीब 11 लाख रुपए बरामद किए हैं।

बता दें कि आरोपी गिराह का सरगना व एक अन्य गुर्गा फरार हैं। डीसीपी जोन-2 विकास सहवाल के मुताबिक साकेत नगर के निखिल ओझा 11 जून की रात करीब 9 बजे नरेला जोड़ से पैदल अहिंसा विहार कॉलोनी दोस्त से मिलने जा रहे थे। तभी नरेला जोड़ के पास केटीएम ड्यूक बाइक पर सवार दो लड़के तेजी से आए और उनमें से पीछे बैठे लड़के ने निखिल के हाथ में रखे मोबाइल पर झपट्टा मारा। लेकिन निखिल ने मोबाइल नहीं छोड़ा। तब दूसरे लड़के ने चाकू अड़ाकर मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। टीआई महेश लिल्हारे की टीम ने मार्ग पर लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले एवं मुखबिरों को होशियार किया गया। वहीं टीम ने कई स्थानों पर दबिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की तो संदिग्धों ने मोबाइल लूट समेत कुल 22 लूट व झपटमारी की वारदातों को अंजाम देना कुबूल किया। आरोपियों के नाम साहिल खान (23) निवासी अहसान नगर थाना निशातपुरा, फैजान पठान (21)अहसान नगर, समीर अंसारी (25) अमन कॉलोनी ईरानी डेरा व तालिब खान (28) ग्राम पतलोन लांबाखेड़ा थाना ईटखेड़ी हैं।

टीआई ने बताया कि आरोपियों से इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल केटीएम व एनएस स्पोर्ट बाइक के अलावा टीला जमालपुरा व अयोध्या नगर थाना क्षेत्र से चुराई आरवन-5 और होंडा शाइन समेत चार बाइक व एक चाकू जब्त किया है। टीआईने बताया कि आरोपियों ने एक साल पहले सफदर ईरानी बदमाश के साथ मिल गैंग बनाई थी। सफदर मास्टरमाइंड है और वो ही लूट की योजनाएं बनाता था। सफदर के अलावा अन्य गुर्गा शाहरूख फरार हैं। साहिल व तालिब मूलरूप से शाजापुर के रहने वाले हैं।

प्रति मोबाइल एक हजार खुद रखता था सफदर

दो से तीन दिन के दौरान गैंग 10-12 वारदातों को अंजाम देकर मोबाइल ईरानी डेरा अमन कॉलोनी में जाकर सफदर ईरानी देते थे। सफदर मोबाइल लेकर दूसरे या तीसरे दिन पैसों का हिसाब करता था। मोबाइल की कीमत तीन से चार हजार मानी जाती थी। प्रति मोबाइल एक हजार सफदर रखता था जबकि शेष रकम साहिल, तालिब, फैजान, समीर व शाहरूख को देता था। पैमेंट कभी नगद तो कभी फोन-पे पर डालता था। लूट की वारदातों को अंजाम देने के लिए स्पोर्ट्स केटीएम बाइक फाइनेंस कराई गई थी। घटना के अंजाम देने के बाद बाइक की नंबर प्लेट निकालकर फर्जी नंबर प्लेट लगाते थे।

पीछे बेकअप के लिए चलती थी दूसरी बाइक

पुलिस ने बताया कि आरोपी शाम सात बजे से रात दस बजे के बीच स्पोर्टस बाइक पर सवार होकर मोबाइल लूट व झपटमारी की वारदातों को अंजाम देते थे। खासतौर से मोबाइल हाथ में लेकर चलने वाले राहगीर उनके निशाने पर होते थे। पहले आरोपी मोबाइल झपटने का प्रयास करते थे लेकिन विरोध होने या मोबाइल छीनने में नाकाम होने पर चाकू अड़ाकर लूट लेते थे। आरोपी हमेशा दो स्पोट्स बाइक पर सवार होकर निकलते थे। आगे वाली बाइक से मोबाइल छीनते थे जबकि पीछे वाली बाइक पर सवार दो से तीन बदमाश बेकअप के लिए चलते थे। आरोपियों ने अब तक अयोध्या नगर, पिपलानी, गोविंदपुरा, हबीबगंज, बाग सेवनियां व टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र में घटनाओं को अंजाम देना कुबूल किया है। आरोपी साहिल के खिलाफ 12, फैजान पठान के खिलाफ 10, समीर अंसारी के खिलाफ 11 और तालिब के खिलाफ 11 अपराध पंजीबद्ध हैं।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान का होगा शुभारंभ-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे साइबर जागरूकता रथ का फ्लैग ऑफ

भोपाल। डिजिटल युग में नागरिकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य एवं पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा की उपस्थिति में 24 जून 2026 के सायंकाल रविन्द्र भवन, भोपाल में किया जाएगा। मध्यप्रदेश पुलिस के इस विशेष अभियान का उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों को साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विषयों के प्रति जागरूक करना है, ताकि नागरिक सुरक्षित साइबर व्यवहार अपनाकर स्वयं एवं समाज को साइबर अपराधों से सुरक्षित रख सकें। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा एवं बाल संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। विद्यार्थियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से तैयार की गई विशेष साइबर जागरूकता बुकलेट का भी विमोचन किया जाएगा, जिसका उपयोग प्रदेश के स्कूलों में जागरूकता गतिविधियों के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर सेफ क्लिक 2.0 अभियान के विशेष वीडियो का अनावरण भी किया जाएगा, जिसके माध्यम से नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, साइबर ठगी से बचाव एवं सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिए जाएंगे। समारोह के अंतर्गत मुख्यमंत्री जी के समक्ष साइबर सुरक्षा विषय पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी किया जाएगा, जो जनसामान्य को सरल एवं प्रभावी माध्यम से साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करेगा।

इसके अतिरिक्त, प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों के संचालन हेतु तैयार साइबर जागरूकता रथ को माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा फ्लैग ऑफ किया जाएगा। यह रथ प्रदेशभर में भ्रमण कर नागरिकों तक साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश पहुंचाएगा।

500 के नोट बदलने के नाम पर पेट्रोल पंप सुपरवाइजर से 6.30 लाख ठगे

भोपाल (नगर संवाददाता)

सूखीसेवनिया इलाके में पेट्रोल पंप के एक सुपरवाइजर से 6.30 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने 500-500 रुपए के नोटों के बदले 100-100 रुपए के नोट देने का लालच दिया और बदले में 20 हजार रुपए ज्यादा देने का भी वादा किया। भरोसा कर सुपरवाइजर तय रकम लेकर पहुंच गया, लेकिन आरोपी नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, रायसेन जिले के एक गांव के सुप्रियार सिंह धाकड़ (36) एक पेट्रोल पंप पर सुपरवाइजर है। उनके गांव कानंद किशोर चंद्रवंशी वर्तमान में भोपाल के लांबाखेड़ा क्षेत्र में रहता है।

नंद किशोर ने सुप्रियार से संपर्क कर कहा कि उसके और उसके साथी शोएब लाला और गोविंद उईके के पास बड़ी मात्रा में 100-100 रुपए के नोट हैं।

उसने प्रस्ताव दिया कि यदि सुप्रियार उन्हें 500-500 रुपए के बंधे हुए नोट देंगे तो बदले में समान राशि के 100 रुपए के नोटों के साथ 20 हजार रुपए अतिरिक्त भी दिए जाएंगे। इस प्रस्ताव पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बन गई। इसके बाद 15 अप्रैल को सुप्रियार सिंह धाकड़ 6.30 लाख रुपए लेकर आदर्श कॉलोनी स्थित मकान में पहुंचे। वहां पहले से मौजूद नंद किशोर, शोएब और गोविंद ने उनसे पूरी रकम ले ली। इसके बाद आरोपियों ने कहा कि वे पास से ही 100-100 रुपए के नोटों की नकदी लेकर आते है।

काफी देर तक इंतजार के बाद भी जब वे वापस नहीं लौटे तो सुप्रियार ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। काफी तलाश और संपर्क के प्रयासों के बाद सुप्रियार को ठगी होने का अहसास हुआ।

इसके बाद उन्होंने सूखीसेवनिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। टीआई रामबाबू चौधरी ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। आरोपी नंद किशोर चंद्रवंशी को हिरासत में ले लिया है।

पूछताछ के दौरान उससे रकम और अन्य आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं फरार आरोपी शोएब लाला और गोविंद उईके की तलाश के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सीएम हाउस में अटैच पुलिसकर्मी से रिवार्ड प्वाइंट रिडीम कराने के झांसा देकर 1.80 लाख रुपए की ठगी

भोपाल। कजलीखेड़ा इलाके में साइबर ठगों ने रिवार्ड प्वाइंट रिडीम कराने का झांसा देकर सीएम हाउस में प्रतिनियुक्त कर्मचारी के क्रेडिट कार्ड से 1.80 लाख रुपए उड़ा दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बैरागढ़ चिचली निवासी राजीव सिंह परिहार (41) जिला बल अनूपपुर में पदस्थ है और वर्तमान में सीएम हाउस, श्यामला हिल्स में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है। 18 जून की शाम करीब छह बजे ड्यूटी के दौरान उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड में 10 हजार रिवार्ड प्वाइंट जमा हैं, जिन्हें दो दिन के भीतर रिडीम नहीं किया गया तो वे समाप्त हो जाएंगे। जब राजीव ने रिवार्ड प्वाइंट रिडीम करने की जानकारी नहीं होने की बात कही तो आरोपी ने उन्हें गूगल के माध्यम से बैंक की वेबसाइट खोलने को कहा। तकनीकी समस्या आने पर आरोपी ने व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजी और उसे खोलकर मोबाइल नंबर व अन्य जानकारी भरने के लिए कहा। जानकारी दर्ज करते ही एक ओटीपी जनरेट हुआ, जिसे आरोपी ने हासिल कर लिया। कुछ ही देर बाद राजीव के मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड से 1.80 लाख रुपये कटने का मैसेज आया। इसके बाद एक और ट्रांजेक्शन का प्रयास हुआ, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। ठगी का अहसास होते ही उन्होंने बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क कर अपने सभी कार्ड ब्लॉक कराए। बाद में उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई और पुलिस को आवेदन दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर साइबर ठग की तलाश शुरू कर दी है।

आदिरंग महोत्सव का समापन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को एनआईडी मप्र के अचारपुरा भोपाल स्थित मप्र परिसर में आदिरंग शिल्पकार महोत्सव 2026 समापन समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री महोत्सव के दौरान जनजातीय शिल्पकारों द्वारा विकसित नवाचारपूर्ण उत्पादों एवं डिजाइन हस्तक्षेपों की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। साथ ही शिल्पकारों, डिजाइन विशेषज्ञों और प्रतिभागियों से संवाद भी करेंगे। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में जनजातीय कला, शिल्प और आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों तथा डिजाइन आधारित नवाचारों की जानकारी दी जाएगी। पांच दिवसीय महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए 140 से अधिक जनजातीय शिल्पकार भाग ले रहे हैं।

कानपुर सेंट्रल-तिरुच्चिरापल्ली से दक्षिण भारत की यात्रा होगी सुगम

भोपाल। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ एवं यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा कानपुर सेंट्रल एवं तिरुच्चिरापल्ली के मध्य विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष रेलसेवा बीना, भोपाल एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जिससे मंडल के यात्रियों को दक्षिण भारत की यात्रा के लिए अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी। गाड़ी संख्या 01927 कानपुर सेंट्रल-तिरुच्चिरापल्ली विशेष रेलगाड़ी प्रत्येक बुधवार 24 जून को कानपुर सेंट्रल सुबह 8:10 बजे प्रस्थान कर बीना स्टेशन पर 15:40 बजे आगमन एवं 15:45 बजे प्रस्थान, भोपाल स्टेशन पर 17:20 बजे आगमन एवं 17:25 बजे प्रस्थान तथा इटारसी स्टेशन पर 19:25 बजे आगमन एवं 19:30 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात तिरुच्चिरापल्ली जंक्शन अगले दिन प्रात: 08:40 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार 01928 तिरुच्चिरापल्ली-कानपुर सेंट्रल प्रत्येक शुक्रवार 26 जून को तिरुच्चिरापल्ली जंक्शन से रात्रि 23:45 बजे प्रस्थान कर इटारसी स्टेशन पर 15:05 बजे आगमन एवं 15:10 बजे प्रस्थान, भोपाल स्टेशन पर 17:05 बजे आगमन एवं 17:10 बजे प्रस्थान तथा बीना स्टेशन पर 20:25 बजे आगमन एवं 20:30 बजे प्रस्थान करेगी।

ढाबा संचालक को कार ने रौंदा,मौत

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गुर्जर ढाबे के पास नजीराबाद रोड पर सोमवार तडक़े तेज रफ्तार कार ने सडक़ पार कर रहे ढाबा संचालक को जोरदार टक्कर मार दी। ढाबा संचालक की अस्पताल ले जाने से पहले ही मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया था।

तीन दिन एप से बुक नहीं होगी टैक्सी, चालक करेंगे आंदोलन

भोपाल (नगर संवाददाता)

सबसे ज्यादा एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दिक्कत

23, 24 और 25 जून को भोपाल एयरपोर्ट पर टैक्सियां नहीं मिलेंगी। दरअसल टैक्सी चालकों ने मांगों को लेकर मंगलवार से एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ तीन दिन की हड़ताल की घोषणा की है। इस दौरान चालक एग्रीगेटर कंपनियों की बुकिंग स्वीकार नहीं करेंगे, जिससे यात्रियों को एयरपोर्ट आने-जाने में परेशानी झेलनी पड़ेगी। चालक संघ के महामंत्री राजेश कुमार नागले ने बताया कि पहले 7 फरवरी व 12 जून को बोर्ड ऑफिस चौराहे पर सांकेतिक धरना दिया था, लेकिन समाधान नहीं हुआ। संघ ने लोगों से अपील की है कि इन तीन दिनों में एयरपोर्ट यात्रा के लिए एग्रीगेटर कंपनियों के एप का उपयोग न करें। संघ ने स्पष्ट किया कि उनका मुख्य मुद्दा सरकार द्वारा निर्धारित किराए का पालन कराना है। आरोप है कि कंपनियां एक प्रावधान का हवाला देकर निर्धारित किराए से भी कम भुगतान कर रही हैं। संघ ने चेतावनी दी है कि जल्द मांगें नहीं मानी गईं तो भोपाल में टैक्सी और ऑटो सेवा ठप कर दी जाएगी।

इन मांगों पर आंदोलन : एग्रीगेटर कंपनियों द्वारा राज्य सरकार के तय किराए को लागू किया जाए। बेस फेयर 40 रुपए और प्रति किमी 20-25 रुपए तय किए जाएं। राइड टाइम का अलग भुगतान मिले। गूगल मैप के आधार पर दूरी की सटीक गणना कर किराया दिया जाए। सवारी की अनिवार्य केवाइसी हो। ननि सीमा के बाहर आउट स्टेशन रेट लागू हों। बंद ड्राइवर आईडी दोबारा चालू की जाए। रात 11 से सुबह 5 बजे तक 25 प्रति. अतिरिक्त शुल्क दिया जाए। चालकों का बीमा अनिवार्य किया जाए।

युवती ने लिया दवा का ओवरडोज, मौत

भोपाल। बैरागढ़ थाना क्षेत्र स्थित बेहटा गांव में पेटदर्द होने पर 24 साल की युवती ने अपनी दवा के साथ मां की दवा भी खा ली। दवा का ओवरडोज होने से युवती की तबियत बिगड़ गई। गंभीर हालत में उसे भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ग्राम बेहटा निवासी वंदना मीना पुत्री स्व. महाराज मीना (24) घरेलू काम करती थीं। करीब 8 साल से वंदना को शुगर, बीपी, पेटदर्द व पैरों के दर्द की शिकायत थी। उसकी मां को भी शुगर की शिकायत है। मां-बेटी दोनों की अलग-अलग दवाएं खाती थीं। कभी-कभार वंदना मां की दवा भी खा लेती थी। उसे थोड़ा फायदा हो जाता था। वंदना के भाई पवन मीना ने पुलिस को बताया कि विगत 18 जून की रात तेज पेटदर्द होने पर वंदना ने अपनी दवा के साथ ही मां की दवा भी खा ली। दवा का ओवरडोज होने से वंदना की तबियत बिगडऩे लगी और वह बेहोश हो गई। परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। रविवार 21 जून को इलाज के दौरान वंदना की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

80 के बाद 20 प्रतिशत और 85 साल आयु होने पर 30 फीसदी ज्यादा मिलेगी पेंशन

- 4.50 लाख पेंशनर्स को मिलेगा फायदा

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब बढ़ी हुई पेंशन का लाभ मिलेगा। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद वित्त विभाग ने आदेश जारी कर 80 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले रिटायर्ड कर्मचारियों को 20 प्रतिशत और 85 पार करने पर यह पेशंन राशि में बढ़ोतरी 30 प्रतिशत मिलेगी। इससे प्रदेश के लगभग 4.50 लाख पेशंनर्स को आर्थिक सहारा मिलेगा।

जानकारी के अनुसार यह मामला रिटायर्ड कर्मचारी शंकरलाल शर्मा ने दायर की गई याचिका के बाद सामने आया। उन्होंने हाईकोर्ट में बुजुर्ग पेंशनर्स को अतिरिक्त पेंशन दिए जाने का मुद्दा उठाया था। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पेंशनर्स के पक्ष में फैसला सुनाया और सरकार को नियमों के अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

बुजुर्गों को मिलेगी आर्थिक राहत

मप्र शासकीय कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले और वित्त विभाग के आदेश का संघ स्वागत करता है। इस आदेश से अब प्रदेश के बुजुर्ग सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक रूप से कुछ राहत मिल सकेगी। बढ़ती उम्र में चिकित्सा और दैनिक जरूरतों पर होने वाले खर्च को देखते हुए अतिरिक्त पेंशन उनके लिए सहारा बनेगी।

दिव्यांगजनों के लिए संवेदनशील प्रदेश सरकार

खर्चों पर लगाम धरातल पर लगे तो बनेगी बात, अन्यथा...

भोपाल (नगर संवाददाता)

सरकारी खर्चे पर लगाम लगाने के लिए एक बार फिर से हाल ही में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से कठोर निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देश दिये गये हैं कि सरकार के शीर्ष अधिकारियों को सरकारी खर्चे पर मध्य प्रदेश से बाहर जाने के लिए मुख्य सचिव से अनुमति लेनी होगी। इसके अलावा कई अन्य दिशा निर्देश भी दिये गये हैं। देखना होगा कि सामान्य प्रशासन विभाग के दिशा निर्देश धरातल पर कितना उतरते हैं। फिलहाल तो ये बस निर्देश मात्र हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश में लगभग 26 वर्ष पहले अधिकारियों के खर्च पर लगाम लगाने के निर्देश दिये गये थे।

अपैक्स बैंक में दिव्यांगों की भर्तियां

कई वर्षों के पश्चात प्रदेश में दिव्यांगजनों के लिए संवेदना अब प्रदेश सरकार की जगती हुई दिखाई दे रही है । इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव स्वयं सामने आए हैं । जिन विभागों में दिव्यांग जनों के लिए भर्ती प्रक्रिया का अभाव था , उनमें अब विशेष रूप से पोर्टल तक खोले जा रहे हैं। आयुक्त दिव्यांगजन न्यायालय के आदेश के बाद अपेक्स बैंक प्रबंधन ने भी अहम फैसला लिया है ।दरअसल आयुक्त दिव्यांगजन न्यायालय में सुनवाई के बाद अपेक्स बैंक प्रबंधन ने दिव्यांगों को भर्ती के लिए आवेदन करने का मौका देने का फैसला किया है। बैंक प्रबंधन जल्दी ही तीन दिन के लिए पोर्टल खोलकर मूक और श्रवण बाधित दिव्यांगजन को आवेदन करने का मौका देगा।

एक ही विभाग में तीन साल से अधिक समय से टिके अफसर

हाल ही राज्य शासन की तरफ से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों की हाल ही में जारी पदस्थापना सूची में लगभग चार प्रमुख सचिव स्तर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न विभागों में पदस्थ किया गया। यह बात और है कि लगभग चार से पांच प्रमुख सचिव ऐसे दिखे , जो लगभग तीन वर्षों से एक ही विभाग में पदस्थ है ।उन्हें नहीं हटाया गया ।दरअसल ये विभाग इतने खास हैं कि यहां न तो पदस्थापन पाना आसान है , न यहां से हटना। दूसरी ओर लूप लाइन में पदस्थ प्रमुख सचिव अब दिल्ली जाने की बात कह रहे हैं।

तबादले के फार्मूले शिक्षकों के लिए बने सिरदर्द...

शिक्षकों के स्थानांतरण नीति के अंतर्गत सबसे अधिक दिशा निर्देश दिये गये। इसके बाद भी कई फार्मूले ऐसे आये, जिनकी वजह से उनके पसंद के स्थानों पर तबादले नहीं हो सके।अड़चने बने फार्मूलों में ग्रेस पीरियड फॉर्मूला सामने आया।99 प्रतिशत आवेदक उस समय सर पड़कर बैठ गए जब उन्हें 90 प्रतिशत हाजिरी के चलते आवेदन से बाहर कर दिया गया।इस तरह फार्मूले अव्यवहारिक रहे।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।